Teachers' Manual

हिंदी

पाठ्यपुस्तक

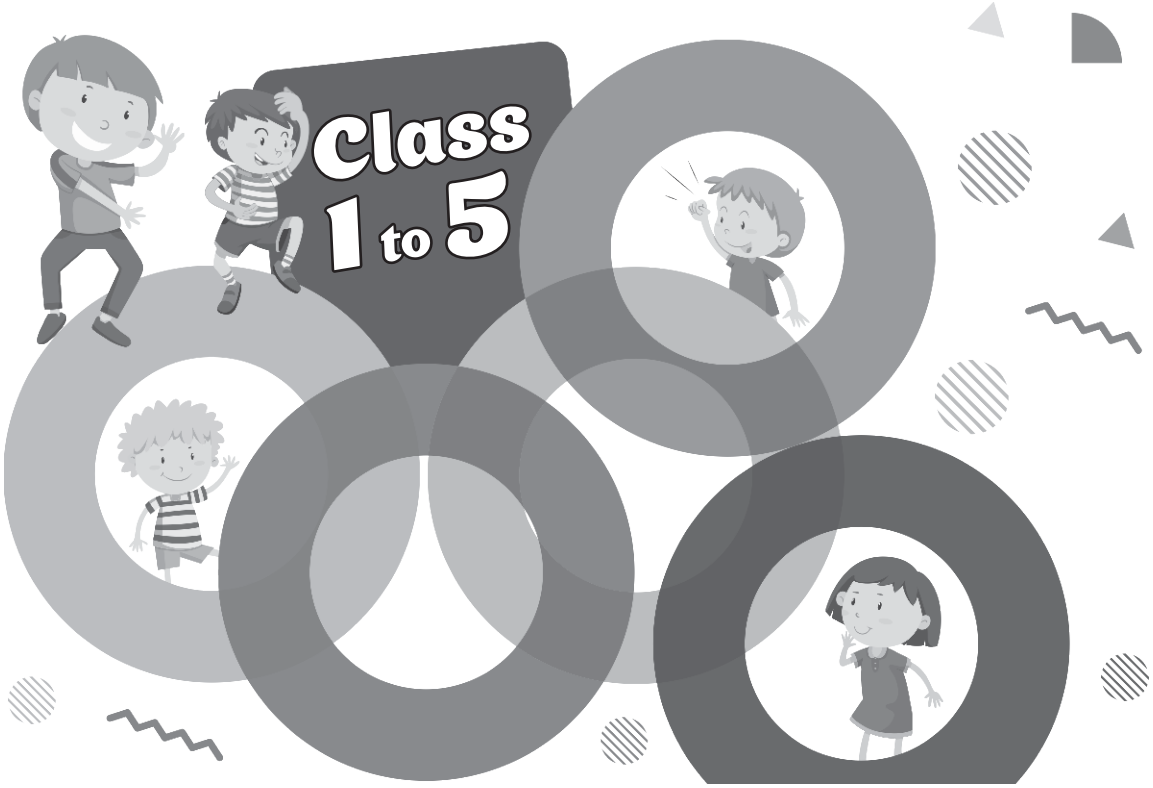

© Publishers

All Rights reserved. No part of this publication may be reproduced or transmitted in any means, electronic or mechanical, including photocopying and recording, or by any information storage and retrieval system, except as may be expressly permitted by the publisher.

Every care has been taken to minimize the mistakes regarding printing and other aspects of the book. However, there is always a scope of improvement. Any suggestion for further improvement of this book would be greatly acknowledged. Published and a product of Student Advisor Publication Pvt. Ltd. E-38, Industrial Area, Mathura (U.P.)

अध्याय 1 — बिना मात्रा वाले शब्द

1. छात्र स्वयं करें
2. ह + ल = हल
   न + ल = नल
   अ + द + र + क = अदरक
   स + ड़ + क = सड़क
   ब + र + ग + द = बरगद
3. अ + ब
   र + न
   श + ह + र
   ट + म + ट + म
4. छ + त = छत
   न + ल = नल
   घ + र = घर
   अ + म + न = अमन
   क + ल + म = कलम
   स + ड़ + क = सड़क
   द + म + क + ल = दमकल
   ब + र + ग + द = बरगद
5. नमक महल थरमस
   फल रथ बरतन

अध्याय 2 — 'अ' और 'आ' की मात्रा

1. छात्र स्वयं करें।
2. नाक, बाजा, ताला, आम, टमाटर, माला।
3. छात्र स्वयं करें।
4. काम, ताला, भगवान।
5. राम, रामा; ताल, ताला; चार, चारा।

अध्याय 3 — 'इ' और 'ई' की मात्रा

1. छात्र स्वयं करें।
2. बकरी, दीदी, धरती, सरिता, बीरबल, किसान।
3. छात्र स्वयं करें।
4. बाजा, फ्राक, किताब, आम, कार।

अध्याय 4 — 'उ' और 'ऊ' की मात्रा

1. छात्र स्वयं करें।
2. तुलसी, सूरज, मूरत, मधुर।
3. झूला, कुरसी, गुड़िया, गुलाबजामुन
4. पहला चित्र–तरबूज, दूसरा चित्र–ऊन, तीसरा चित्र–दूध, चौथा चित्र–जूता, पाँचवाँ चित्र–झूला।
5. दूध, झूला, फूल।

अध्याय 5 — 'ए' और 'ऐ' की मात्रा

1. छात्र स्वयं करें।
2. भैया, थैला, रेल, खेल, मेहनत, सैनिक, मैदान, देवता, बैजनाथ, कैसा।
3. शेर, सेब, थैला, पैसा।
4. पहला चित्र–भेड़, दूसरा चित्र–सैनिक, तीसरा चित्र–लालटेन, चौथा चित्र–रेल, पाँचवाँ चित्र–बैल।

अध्याय 6 — 'ओ' और 'औ' की मात्रा

1. छात्र स्वयं करें।
2. मोर, मौसी, चौकी, गोपाल, मौजूद, औषधालय, खिलौना
3. टोकरी, कोयल, खिलौना, लौकी।
4. नौकर, कोयल, फौजी, खरगोश, तोता, धोबी।
5. गोभी, औरत, ढोलक, औजार, औषधि, हथौड़ी।

अध्याय 7 ‘अं’ ‘अँ’ और ‘अः’ की मात्रा

1. छात्र स्वयं करें।
2. साँप, दाँत, अंगूर, काँच, बंदर।
3. पुनः, पूँछ, गाँव, प्रातः, शनैः, स्वतः, माँद, पाँच, अतः, चाँटा।
4. झंडा, ऊँट, हंस, बंशी।
5. दुःख, लंगूर, पंख, छः, बूँद, प्रातः।

अध्याय 8 ‘ऋ’, ‘र-रेफ’ और ‘र-पदेन’ की मात्रा

1. छात्र स्वयं करें।
2. कृपाण, ग्रह, अमृत, गृह, अर्चन, प्रणाम।
3. ड + ्र + म
   प + ्र + क + ा + श
   म + ा + र् + ग
   क + ृ + प + ा
   प + ृ + थ + क
   प + ्र + स + ा + द
   ट + ्र + क
4. मार्ग, नृप, मृग, दर्पण, ड्रम, पर्वत।

अध्याय 9 संयुक्त अक्षर और आधा अक्षर

1. छात्र स्वयं करें।
2. कच्चा, त्याग, पट्टा, पक्का, नन्हा, अच्छा।
3. आ + श् + र + म
   क + ा + न् + ह + ा
   स् + व + च् + छ
   व + ि + घ् + न
   म + क् + क + ा
   ब + ्र + ह् + म + ां + ड
4. गन्ना, चम्मच, बिल्ली, बच्चा, पत्ता, पत्र।

अध्याय 10 प्रार्थना

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं करें।
2. (क) बालक भगवान से विनती कर रहे हैं।
   (ख) बालक पढ़-लिखकर महान बनना चाहते हैं।
   (ग) बालक भारत माँ की सेवा करना चाहते हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) भगवान (✓) (ख) (ii) भगवान का (✓)
   (ग) (ii) पढ़-लिखकर (✓)
2. (क) सुन लो हे भगवान, हम सब बालक
   (ख) कर जोड़कर हम सब, तुम्हारा ही गुणगान
   (ग) भारत की सेवा, दो हमको
3. (क)✓, (ख) ×, (ग) ×, (घ)✓
4. (क) बालक ईश्वर से वीर, धीर और पढ़-लिखकर महान बनने की प्रार्थना कर रहे हैं।
   (ख) बालक वीर बनने का वरदान भगवान से माँग रहे हैं।
   (ग) धीर बनने का अर्थ है—धैर्यवान होना। संकटों में विचलित न होकर धीरज बनाए रखना।
5. (क) विनती → प्रार्थना, (ख) नादान → नासमझ
   (ग) कर → हाथ, (घ) महान → बड़ा

भाषा विकास

6. भगवान, बालक, नादान, तुम्हारा, गुणगान, सदा, भारत, वरदान।
7. बुरा, पुराना, शाम, रात

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।
- प्रार्थना करते समय हम ईश्वर से महान बनने, सदाचारी होने तथा पढ़-लिखकर देश की सेवा करना माँगते हैं।
- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 11 होली आई

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं करें
2. (क) बाजार में बिकने वाले रंग सस्ते और खराब होते हैं।
   (ख) बाजार के रंग उपयोग करने पर कपड़े और चेहरे खराब हो जाते हैं।
   (ग) संजू की माँ ने सभी को मिठाई खिलाई।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) होली ✓ (ख) (i)फूलों से ✓
   (ग) (i) फूलों का ✓

2. (क) सस्ते, खराब (ख) होली
   (ग) फूलों (घ) शरीर
3. (क) (×) (ख) (✓) (ग) (✓)
4. (क) संजू ने रंग और गुलाब खरीदने के लिए माँ से, पैसे माँगे।
   (ख) माँ ने बाजार के रंग लाने से मना किया क्योंकि बाजार के रंग सस्ते और खराब होते हैं।
   (ग) काला रंग लगाने से शरीर को नुकसान होता है।
   (घ) होली रंगों का त्योहार है।
   (ङ) संजू की माँ ने सबको मिठाई खिलाई।

भाषा विकास

5. होली, शरीर, परन्तु, त्योहार, पिचकारी, गुलाल
6. होली रंगों का त्योहार है।
   हमें मिल-जुलकर प्रेम से रहना चाहिए।
   बगीचे में अनेक रंगों के फूल खिले थे।
   अच्छा मित्र मिलना कठिन है।
7. प्रसन्न–दु:खी, शत्रु–मित्र, माँ–पिता, प्रेम–नफरत

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 12 आपसी सहयोग

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं करें।
2. (क) दोनों मित्रों के नाम मोहन और श्याम थे।
   (ख) आग गाँव में लग गई थी।
   (ग) श्याम ने मोहन को कंधों पर बिठाया।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) गाँव में (iii) (✓) (ख) (i) आग लगी ✓
   (ग) (iii) कंधे पर (✓)
2. (क) दोस्त (ख) अपाहिज, अँधा
   (ग) तरकीब (घ) सहयोग
3. (क) (×), (ख) (×), (ग) (×), (घ)(✓)
4. (क) मोहन अपाहिज तथा श्याम अँधा था।
   (ख) गाँव में आग लगने पर मोहन व श्याम आग में फँस गये थे, इसलिए वे परेशान थे।
   (ग) मोहन को तरकीब सूझी कि श्याम उसे कंधे पर बिठा ले। वह उसे रास्ता बताता चलेगा।
   (घ) आपसी सहयोग से दोनों की जान बच गई।

भाषा विकास

5. अपाहिज, बहुत, विचार, निर्धन
6. हमें संकट में सहयोग करना चाहिए।
   राम खुशी से दिन गुजार रहा है।
   एक दिन गाँव में अचानक आग लग गई
   मोहन अपाहिज था।
7. दिन–रात, एक–अनेक, निर्धन–धनी, आग–पानी।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 13 दयालु परी

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं करें।
2. (क) बच्चे पार्क में खेल रहे थे।
   (ख) हथौड़ा लेने जादूगरनी घर गई।
   (ग) दुष्ट जादूगरनी ने आग फूँक मारकर बुझाई।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii)पार्क से (✓) (ख) (i) जादूगरनी ने (✓)
   (ग) (ii) हथौड़ा (✓)
2. (क) शिवम, दीपक (ख) आग
   (ग) दीवार (घ) सुरक्षित
3. (क) ✓, (ख) ×, (ग) ×, (घ) ✓
4. (क) जादूगरनी ने शिवम और दीपक का अपहरण किया।
   (ख) बच्चे जब भागकर घर की ओर जा रहे थे तो उन्हें रास्ते में परी मिली।
   (ग) जादूगरनी काँच की दीवार तोड़ने के लिए हथौड़ा लेने दौड़ी।
   (घ) बच्चे जादूगरनी की कैद से निकल भागे।

भाषा विकास

5. कैद, हथौड़ा, सुरक्षित, जादूगरनी, मौका, दुष्ट
6. एक दयालु परी थी।
   परी ने काँच की एक ऊँची दीवार खड़ी कर दी।
   जीवन की सुरक्षा बहुत आवश्यक है।
   दुष्ट लड़कों की संगति नहीं करनी चाहिए।
   बच्चे दुष्ट जादूगरनी की कैद से निकल भागे।
7. सुरक्षित–असुरक्षित, देर–जल्दी, ऊँची–नीची, आई–गई

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 14 काला कौआ

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं करें।
2. (क) कविता का नाम–काला कौआ
   कवि का नाम–हरिवंश राय बच्चन।
   (ख) काला कौआ गुसलखाने से साबुन लेकर भागा।
   (ग) काला कौआ साबुन से रगड़कर नहाने के बाद भी उजला (गोरा) नहीं हो पाया। इसलिए वह हंस के पास नहीं आया।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) काला (✓) (ख) (iii) साबुन (✓)
   (ग) (i) कौआ (✓)
2. (क) हँस एक दिन, उड़ते-उड़ते
   (ख) सोचता मेरे घर पर, आया काला
   (ग) गड़ही पर उसने, साबुन खूब
3. (क) मन-ही-मन कौआ शरमाया क्योंकि वह गोरा नहीं हो सका था।
   (ख) काला कौआ हंस को देखकर सोचने लगा काश मेरा रंग भी हंस की तरह सफेद हो जाए।
   (ग) खूब साबुन लगाने और नहाने के बाद भी कौआ उसका रंग सफेद नहीं हो पाया। इसलिए वह पछताया।
4. (क) (ii), (ख) (iii), (क) (i)

भाषा विकास

5. कौआ, सोचने, साबुन, गुशलखाना।
6. उजला-गंदा, खूब-थोड़ा, अपना-पराया, काला-सफेद/गोरा, पास-दूर, दिन-रात

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 15 नेताजी सुभाष चंद्र बोस

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं करें।
2. (क) गाँधी जी के विचारों से प्रभावित हुए।
   (ख) यह नारा सुभाष चंद्र बोस ने दिया।
   (ग) सुभाष चंद्र बोस भारत माता के सच्चे और निडर पुत्र थे।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) (✓) (ख) (i) (✓)
   (ग) (ii) (✓)
2. (क) नेताजी, (ख) स्वतंत्रता
   (ग) सच्चे, निडर
3. (क) ×, (ख) ×, (ग) ✓, (घ) ✓
4. (क) सुभाषचंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी सन् 1897 में उड़ीसा में हुआ था।
   (ख) 1945 में नेताजी ने देश को आजाद कराने के लिए अपनी फौज के साथ अंग्रेजों से लड़ाई की।
   (ग) भारत को अंग्रेजी हुकुमत से आजाद कराने के लिए सशस्त्र लड़ाई जरूरी थी क्योंकि अंग्रेजी हुकूमत सशस्त्र कार्रवाई ही किया करती थी।

भाषा विकास

5. प्रभावित, सेनानी, वायुयान, फौज, कार्यकर्ता, उद्देश्य।
6. (क) नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारत माता के सच्चे सपूत थे।
   (ख) महात्मा गांधी से प्रेरित होकर अनेक लोग स्वतंत्रता आन्दोलन में कूद पड़े।
   (ग) स्वतंत्रता सेनानी हमारी श्रद्धा के पात्र हैं।
   (घ) किसी भी संगठन की सफलता उसके कर्मठ कार्यकर्ताओं पर निर्भर होती है।
7. मृत्यु, झूठा, डरपोक, अंत, वृद्ध, विदेश

करके देखिए

(i) नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 में हुआ था।
(ii) इन्होंने जापान की सहायता से 1943 में 'आजाद हिन्द फौज' की स्थापना की।
(iii) वायुयान दुर्घटना में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु हुई।
(iv) सुभाष चन्द्र बोस भारत के एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे।
(v) भारतीय इतिहास में इनका नाम हमेशा अमर रहेगा।

अध्याय 16 लालची कुत्ता

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं करें।
2. (क) कुत्ते का नाम टॉमी था।
   (ख) कुत्ते को एक रोटी मिली।
   (ग) कुत्ते को लालच का फल मिला।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) (✓) (ख) (iii) (✓)
   (ग) (i) (✓)

2. (क) बुरा, (ख) पानी, (ग) परछाईं, (घ) लालच।
3. (क) ✓, (ख) ×, (ग) ✓, (घ) ×
4. (क) टॉमी को एक रोटी मिली।
   (ख) रोटी मिलने पर कुत्ते ने सोचा कि कहीं चलकर अकेले मैं यह रोटी खाऊँगा।
   (ग) इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि हमें लालच नहीं करना चाहिए।

भाषा विकास

5. कुत्ता, खुशी, धुन, पुल, मुँह, कुछ।
6. गिरना–उठना, मूर्ख–समझदार, खुश–नाखुश, आगे–पीछे, छोटा–बड़ा, नीचे–ऊपर।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।
- लालच करने से हमें अनेक हानियाँ उठानी पड़ती हैं। अपने पास की वस्तु का भी नुकसान हो जाता है। शरीरिक, मानसिक और आर्थिक हानि भी हो सकती है। समाज में सम्मान गिर जाता है। लोग लालच करने वाले को बुरी नजर से देखते हैं।

अध्याय 17 केले का छिलका

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं करें।
2. (क) बंटी के पापा का नाम अशोक था।
   (ख) बंटी के मामा विदेश से आ रहे थे।
   (ग) बंटी के मित्र का नाम राजू था।

लिखित अभिव्यक्ति

3. (क) बंटी ने मोटा आदमी देखकर केले का छिलका रोड पर फेंक दिया।
   (ख) मामाजी की लाई घड़ी राजू को मिली क्योंकि वह एक अच्छा लड़का था।
   (ग) हमें अच्छी आदतें सीखनी चाहिए।
4. **किसने, किससे कहा?**

	किसने	**किससे**
1.	बंटी ने	राजू से
2.	राजू ने	बंटी से
3.	मामाजी ने	राजू से
4.	पापा ने	बंटी से

भाषा विकास

5. देश – विदेश अच्छा – बुरा
   मोटा – पतला अंदर – बाहर
   गलत – सही गंदा – स्वच्छ
6. मामी – मामा नानी – नाना
   हथिनी – हाथी चाची – चाचा
   माँ – पिता बच्ची – बच्चा
7. विदेश रमन के चाचा <u>विदेश</u> में रहते हैं।
   आदमी हमें अच्छा <u>आदमी</u> बनना चाहिए।
   सहारा डूबते को तिनके का <u>सहारा</u> बहुत है।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 18 ठीक समय

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं करें।
2. (क) कविता का नाम–'ठीक समय' है।
   (ख) जगना, नहाना, भोजन करना, स्कूल जाना, खेलना, पढ़ना, सोना आदि सभी काम समय पर करते हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (i) ✓ (ग) (ii) ✓ (घ) (iii) ✓
2. खाना खाओ, ठीक समय पर, पर मौज उड़ाओ, ठीक समय पर
3. (क) (iv)(ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii)
4. (क) हमें ठीक समय पर इसलिए उठ जाना चाहिए ताकि हम सभी काम समय पर कर सकें।
   (ख) जागने, नहाने, खाना खाने, विद्यालय जाने, खेलने और पढ़ने, सोने आदि के सभी कार्य समय पर करने चाहिए।
   (ग) ठीक समय पर सब कार्य करके हम बड़े कहला सकते हैं।

भाषा विकास

5. पढ़ना, ठीक, बहुत, गाना, मौज, कहलाओ
6. बड़ा–छोटा, ठीक–गलत, मौज–परेशानी, नित–अनित, समय–असमय, गाना–रोना

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।
- ठीक समय पर कार्य न करने से हम कोई भी कार्य ठीक ढंग से नहीं कर पाएँगे, बहुत से काम आधे–अधूरे रह जाएँगे।
- छात्र/छात्रा स्वयं करें। ❐

अध्याय 1 प्रार्थना

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) मैदानों, वनों व बागों में हरियाली लहराती है।
   (ख) बूँदें छम-छम कर गिरती हैं।
   (ग) प्रस्तुत कविता में कवि का नाम रामनरेश त्रिपाठी है।
   (घ) खुशी के गीत चिड़ियाँ गाती हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) प्रभो (✓) (ख) (i) बूँदें (✓)
   (ग) (i) खुशबू (✓)
2. *जब बहुत सुबह चिड़ियाँ उठकर*
   गीत खुशी के, *गाती हैं*।
   कलियाँ दरवाजे खोल-खोल
   जब दुनिया पर *मुसकाती* हैं।
   खुशबू की लहरें जब घर से
   बाहर आ दौड़ *लगाती* हैं।
3. (क) (ii), (ख) (iii), (ग) (i), (घ) (v),
   (ङ) (iv)
4. (क) चिड़ियाँ सुबह उठकर खुशी के गीत गाती हैं।
   (ख) बूँदें जब छम-छम कर गिरती हैं तब बिजली चम-चम कर जाती है।
   (ग) जग के सिरजनहार प्रभो! (भगवान) हैं।

भाषा विकास

5. (i) सिरजनहार, (v) चिड़ियाँ, (viii) मैदानों, (ix) बूँदें, (x) हवा, (xii) जग
6. (i) सुबह-शाम, (ii) खुशी-शोक, (iii) खुशबू-बदबू (iv) ठंडी-गरम
7. (i) प्रातः, (ii) संसार, (iii) अरण्य, (iv) भगवान

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 2 दादा जी की सीख

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) लोगों को राहुल परेशान करता था।
   (ख) लोगों को परेशान करना, चलते कुत्तों को पत्थर मारना आदि बुरी आदतें थीं।
   (ग) राहुल के मम्मी-पापा ने छुट्टियों में उसे दादा जी के पास भेज दिया।
   (घ) दादा जी की शिक्षा से राहुल का जीवन बिल्कुल बदल गया।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) (✓) (ख) (iii) (✓)
   (ग) (i) (✓)
2. (क) बगीचे, (ख) परेशान, (ग) शिक्षा, (घ) व्यवहार।
3. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ×
4. (क) लोगों को परेशान करना, चलते हुए कुत्तों को पत्थर मारना जैसी बुरी आदतों से राहुल के मम्मी पापा उससे परेशान रहते थे।
   (ख) राहुल के दादा जी उसे बगीचे में इसलिए ले गए ताकि उससे राहुल की बुरी आदतों को शुरुआत में आसानी से दूर किया जा सके।
   (ग) दादा जी ने राहुल को बुरी आदतों को शुरुआत में ही छोड़ने की सीख दी।

भाषा विकास

5. बिलकुल, रात, अच्छा, परेशान, पौधे, उखाड़ने, मुक्ति, सेब।
6. (i) आदतें, (ii) शैतानी, (iii) बेटा, (iv) छुट्टी।

करके देखिए

- प्रस्तुत पाठ से हमें शिक्षा मिलती है कि जीवन में सदैव अच्छी आदतों को अपनाना चाहिए व दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए।

अध्याय 3 सिर पर मुकुट

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) अकबर का प्रिय मंत्री बीरबल था।
   (ख) हाँ, अकबर को बैंगन की सब्जी अच्छी लगती थी।
   (ग) बादशाह अकबर इसलिए लज्जित हुए क्योंकि जब अकबर को सब्जी पसंद आए तो बीरबल ने उस पर कहा कि यह सब्जी तो एक गधे द्वारा पसंद की गयी।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) (✓) (ख) (i) (✓)
2. (क) सब्जी, (ख) सर्वश्रेष्ठ, (ग) जहाँपनाह, (घ) स्वादिष्ट
3. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ✓
4. (क) अकबर ने बीरबल से पूछा, "क्या तुम बैंगन की सब्जी पसंद करते हो"?
   (ख) बीरबल ने बादशाह की बात का उत्तर दिया, "जहाँपनाह यह सब्जी अच्छी नहीं है, इसका स्वाद बेकार है।"
   (ग) अकबर को बैंगन की सब्जी अच्छी लगी इसलिए बीरबल ने बैंगन को सब्जियों का राजा बताया।

भाषा विकास

5. (i) मथुरा के पेड़ों में बहुत स्वाद है।
   (ii) राम की माँ ने राम के लिए आलू की सब्जी बनायी।
   (iii) आज का भोजन बहुत जायकेदार था।
   (iv) मुझे दिल्ली का लालकिला बहुत पसंद है।
6. (i) तेज-धीमा, (ii) बढ़िया-घटिया, (iii) पास-दूर, (iv) चतुर-अनाड़ी, (v) रात्रि-दिन, (vi) पसंद-नापसंद, (vii) एक-अनेक, (viii) हँसना-रोना

क्रियाकलाप

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 4 सारस और किसान

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) सारस का जोड़ा गेहूँ के एक खेत में रहता था।
   (ख) सारस के बच्चे छोटे थे।
   (ग) सारस शाम को भोजन लेकर बच्चों के पास वापस लौटे।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) (✓) (ख) (ii) (✓)
   (ग) (iii) (✓)
2. (क) गाँव (ख) फसल
   (ग) स्वार्थी (घ) भरोसे, काम
3. (क) ✓, (ख) ×, (ग) ×, (घ) ×
4. (क) गेहूँ के खेत में सारस पक्षी का जोड़ा रहता था।
   (ख) सारस ने बाहर जाने से पहले बच्चों से कहा कि, बच्चो, हमारे यहाँ न रहने पर यदि कोई खेत के पास आए तो उसकी बात सुनकर याद रखना।
   (ग) फसल पकने पर किसान ने कहा-'अब फसल कटने योग्य हो गई है। आज चलकर गाँव के लोगों से कहूँगा कि वे मेरी फसल कटवा दें।'
   (घ) सारस के बच्चों को लगा कि किसान झूठ-मूठ डराता है। खेत की फसल नहीं कटेगी, इसलिए वह निर्भय हो गए थे। साथ ही वे अब उड़ने लायक भी हो गये थे।
   (ङ) अंत में सारस ने बच्चों से कहा चलो जल्दी करो अभी अँधेरा नहीं हुआ है। दूसरे स्थान पर उड़ चलो।

भाषा विकास

5. (i) जल्दी, (ii) योग्य, (iii) प्रबन्ध, (iv) चिंता, (v) निर्भय, (vi) गेहूँ
6. (i) गाँव वाले बहुत स्वार्थी थे।
   (ii) सारस को अपने पर भरोसा था।
   (iii) अपना कार्य स्वयं करना चाहिए।
   (iv) किसान फसल काटने स्वयं आए।
7. (i) बच्चे, (ii) स्थानों, (iii) गाँवों, (iv) पक्षियों, (v) पेड़ों, (vi) खेतों, (vii) अंडे, (viii) फसलें।
8. आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, ऋ, अं, अः
9. (i) सवेरे-शाम, (ii) अंधेरा-उजाला, (iii) आशा-निराशा, (iv) याद रखना-भूल जाना, (v) बड़ी-छोटी, (vi) भय-निर्भय, (vii) बच्चा-बच्ची, (viii) रुकना-चलना

करके देखिए

- (i) मोर, (ii) चिड़िया, (iii) कबूतर, (iv) मैना, (v) कोयल, (vi) तोता।

अध्याय 5 कोयल

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) कोयल का रंग काला होता है।
   (ख) कोयल प्रीत का राग सुनाती है।
   (ग) कोयल मीठा बोलना सिखाती है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) (✓) (ख) (ii) (✓)
   (ग) (ii) (✓)

2. (क) *प्रीत का* राग सुनाती कोयल,
कुहू-कुहू कर गाती *कोयल*
(ख) *मूल* मंत्र मीठी वाणी का,
याद दिलाती सबको *कोयल*
(ग) *जब भी* बोलो मीठा बोलो,
वाणी में अमृतरस *घोलो*।
3. (क) (iii), (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (ii)
4. (क) कोयल की वाणी मीठी होती है।
(ख) हमें सदैव मीठी वाणी बोलनी चाहिए क्योंकि मीठी बोली सबको अच्छी लगती है।
(ग) कोयल हम सबको मीठी वाणी का मूलमंत्र सिखाती है।

भाषा विकास

5. (i) हमें सदैव अमृत रस जैसी वाणी बोलनी चाहिए।
(ii) हमें किसी की निंदा नहीं करनी चाहिए।
(iii) हमें ईश्वर से मनुष्य के रूप में कार्य करने का वरदान मिला है।
(iv) हमें सदैव सबके मन को लुभाने वाली वाणी बोलनी चाहिए।

6. (i) आशीर्वाद, (ii) बोली, (iii) पीयूष, (iv) आत्मा
7. (i) अमृत-विष, (ii) वरदान-शाप, (iii) उजाला-अँधेरा, (iv) गुण-अवगुण

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।
- धरती पर चरने वाले– ऊँट, भैंस, घोड़ा, बकरी। आकाश में उड़ने वाले– कबूतर, चिड़िया, तोता, कोयल।

अध्याय 6 चालाक चूजे

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) जिससे खतरा होता है उसे खतरनाक कहते हैं।
(ख) काली बिल्ली छोटे चूजों को खा जाती है इसलिए वह खतरनाक है।
(ग) बिल्ली कुत्ते को खतरनाक मानती है।
(घ) समझदार को ही सयाना कहते हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (ii) ✓
(ग) (iii) ✓ (घ) (i) ✓
2. (क) दरवाजा (ख) खतरनाक
(ग) मुर्गी (घ) मौसी
3. (क) ×, (ख) ✓, (ग) ×, (घ) ✓
4. (क) मुर्गी को बाजार सब्जी लेने जाना था।
(ख) मुर्गी के जाते ही वहाँ काली बिल्ली आ गयी।
(ग) ऊँट जैसे ऊँचे कुत्ते के डर से बिल्ली भाग गई।

भाषा विकास

5. (i) पास-दूर, (ii) बाहर-अन्दर, (iii) काली-गोरी, (iv) छोटा-बड़ा, (v) रात-दिन, (vi) हँसना-रोना

क्रियाकलाप

- (i) बिल्ली, (ii) कुत्ता, (iii) लोमड़ी, (iv) हाथी, (v) शेर, (vi) घोड़ा।
- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 7 दाँतों की साफ-सफाई

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) राधा तीसरी कक्षा में पढ़ती थी।
(ख) राधा के दाँतों में दर्द रहता था।
(ग) राधा अपनी माँ के साथ डॉक्टर अंकल के क्लीनिक गई।
(घ) कीड़ा लग जाने के कारण दाँतों में दर्द होता है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) (✓) (ख) (ii) (✓)
(ग) (iii) ✓
2. (क) दाँतों, (ख) तीसरी, (ग) दर्द (घ) स्वस्थ
3. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ×, (ङ) ✓
4. (क) बच्चे राधा से इसलिए दूर-दूर रहते थे क्योंकि उसके मुँह से बदबू आती थी।
(ख) डॉक्टर साहब ने राधा से कहा, "राधा, तुम्हारे दाँत बहुत गंदे हैं। क्या तुम दाँत साफ नहीं करती हो?"
(ग) शरीर के पोषण हेतु भोजन खाने के लिए दाँतों का स्वस्थ व मजबूत होना आवश्यक है।
(घ) राधा मुस्कुराकर बोली, "मैं दिन में दो बार दाँत साफ किया करूँगी।"
(ङ) दाँतों की मजबूती के लिए कच्ची सब्जियाँ और फल खाने चाहिए।

भाषा विकास

5. (i) मजबूत, (ii) दाँत, (iii) बदबू, (iv) स्वस्थ, (v) दवाई, (vi) डॉक्टर

6. (i) हमारे शरीर के लिए <u>पोषण</u> आवश्यक है।
   (ii) हरी सब्जियाँ और फल दाँतों के लिए <u>गुणकारी</u> हैं।
   (iii) हमें सभी के साथ मधुर <u>व्यवहार</u> करना चाहिए।
   (iv) राधा के दाँतों में <u>दर्द</u> था।
   (v) हमें समय-समय पर अपने दाँतों का <u>परीक्षण</u> कराते रहना चाहिए।
7. (i) भाती, (ii) आती, (iii) गुणकारी, (iv) बुलाती, (v) लड़की, (vi) सिखलाती
8. (i) पीना चाहिए, (ii) खेल रहा है, (iii) परीक्षण किया।
9. (i) मीठा, (ii) विद्यार्थिनी, (iii) देह, (iv) जननी, (v) पाठशाला, (vi) सखी।
10.

(र)	(र्)	(्र)	(्र)
भंडार	हर्ष	क्रम	ड्रामा
संसार	पार्क	विक्रम	ट्रक
करार	वर्षा	प्रण	राष्ट्र

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।
- हम अपने दाँतों को दो बार ब्रुश करते हैं तथा कुछ खाने के बाद पानी से कुल्ला करके दाँत व मुँह साफ करते हैं।

अध्याय 8 — रंग-बिरंगी धरती

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) हिरनी रोज सवेरे पेड़ के नीचे चरती है।
   (ख) पर्वत ऊँचे-ऊँचे हैं।
   (ग) जंगल और धरती के बीच पुराना नाता है। ये एक-दूसरे का सहयोग करते हैं और समृद्ध बनाते हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) (✓) (ख) (i) (✓)
   (ग) (ii) (✓)
2. धरती बच्चो, रंग-बिरंगी
   हरियाली, जंगल का धरती से बच्चो बड़ा पुराना
   गैंडे हाथी को, सारा जंगल
   हवा जंगल की, सबकी पीड़ा
3. (क) (iv), (ख) (v), (ग) (ii), (घ) (i), (ङ) (iii)
4. (क) मीठा राग पेड़ों पर बैठे पक्षी सुनाते हैं।
   (ख) ऊँचे-ऊँचे पर्वत नदियों की बात निराली है।
   (ग) बूढ़ी नानी जंगल की रक्षा करती है।
   (घ) बाघ, सिंह, गैंडे, हाथी को सारा जंगल भाता है।

भाषा विकास

5. (i) हरियाली, (ii) पक्षी, (iii) हाथी, (iv) बिरंगी, (v) सबकी, (vi) धरती।
5. (i) संसार, (ii) शेर, (iii) धरा, (iv) पेड़, (v) पहाड़, (vi) वन।
6. (i) नदी, (ii) पर्वतों, (iii) जंगलों, (iv) जीव, (v) पक्षियों, (vi) बच्चा।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 9 — हमारा राष्ट्रीय-ध्वज

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करे।
2. (क) हमारे राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंगों की पट्टियाँ हैं।
   (ख) हम अपने राष्ट्रीय ध्वज को तिरंगा झंडा कहकर पुकारते हैं।
   (ग) हाँ, हम अपने राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करते हैं।
   (घ) राष्ट्रीय-ध्वज के बीच बने चक्र में 24 तीलियाँ होती हैं।
   (ङ) राष्ट्रीय-ध्वज में सफेद रंग शांति का प्रतीक है।
   (च) केसरिया रंग की पट्टी हमेशा ऊपर होनी चाहिए।
   राष्ट्रीय ध्वज फहराते समय ध्यान रखने वाली बातें—
   - केसरिया रंग की पट्टी हमेशा ऊपर रखनी चाहिए।
   - जब कई अन्य ध्वज फहरा रहे हों तब राष्ट्रध्वज को सबसे ऊपर रखना चाहिए।
   - इसे फटी अथवा गंदी अवस्था में नहीं फहराना चाहिए।
   - संध्या के समय इसे उतार लेना चाहिए।
   - हमें राष्ट्रीय झंडे का सदा सम्मान करना चाहिए।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) (✓) (ख) (i) (✓)
   (ग) (ii) (✓) (घ) (iii) (✓)
   (ङ) (iii) (✓)

2. (क) खुशहाली, (ख) तिरंगा, (ग) सम्मान, (घ) शांति
3. (क) ×, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✓
4. (क) हमारे राष्ट्रीय ध्वज में तीन पट्टियाँ हैं। केसरिया, सफेद और हरे रंग की हैं।
   (ख) हम राष्ट्रीय ध्वज को तिरंगा झंडा के नाम से पुकारते हैं।
   (ग) हमारे राष्ट्रीय ध्वज का चक्र सारनाथ के स्तंभ से लिया गया है।

भाषा विकास

5. (ii) तीरंगा, (iv) कैसरिया, (vii) विरता, (viii) पट्टीट
6. (i) हरा रंग हरियाली का प्रतीक है।
   (ii) हम अपने राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करते हैं।
   (iii) हमारा ध्वज हमारी शान है।
   (iv) देश के स्वतंत्रता आंदोलन में अनेक क्रांतिवीरों ने अपना बलिदान कर दिया।
   (v) भारत हमारा देश है।
7. (i) तीली, (ii) बात, (iii) सैनिकों, (iv) पट्टियाँ
8. (i) ऊपर–नीचे, (ii) सम्मान–अपमान/अनादर, (iii) पवित्र–अपवित्र, (iv) शांति–अशांति, (v) ज्ञान–अज्ञान, (vi) देश–विदेश

करके देखिए

- पंद्रह अगस्त 1947 को हमारा देश भारत अंग्रेजों की पराधीनता से स्वतंत्र हुआ था। पंद्रह अगस्त को ही लालकिले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था। राष्ट्रीय त्योहार पन्द्रह अगस्त को तभी से प्रतिवर्ष लालकिले पर झण्डा फहराया जाता है।

अध्याय 10 चिड़ियाघर की सैर

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) हम अपने मन के भावों और विचारों को अपने परिचितों व सहयोगियों तक पहुँचाने के लिए लिखते हैं।
   (ख) चिड़ियाघर के पाँच जानवर– कंगारू, हाथी, शेर, घोड़ा, बन्दर हैं।
   (ग) देवांशी ने चिड़ियाघर में तोता, कंगारू, चिड़िया आदि जीव जंतु देखे।
   (घ) कंगारू के पेट में एक थैली होती है जिसमें वह अपना बच्चा रखता है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) (✓) (ख) (i) (✓)
   (ग) (ii) (✓) (घ) (ii) (✓)
   (ङ) (iii) (✓)
2. (क) थैली, (ख) चिड़ियाघर, (ग) मोर, (घ)शेर
3. (क) ✓, (ख) ×, (ग) ×, (घ) ×
4. (क) यह पत्र देवांशी दीक्षित ने अपनी मित्र आन्या गुप्ता को लिखा है।
   (ख) इस पत्र में चिड़ियाघर का वर्णन है।
   (ग) इस पत्र में विचित्र जानवर कंगारू के बारे में बताया गया है।
   (घ) पत्र–लेखिका को हाथी की सवारी में बहुत आनंद आया।

भाषा विकास

5. (i) पिंजड़े के अन्दर शेर था।
   (ii) कंगारू विचित्र जानवर था।
   (iii) हाथी की मस्त चाल थी।
   (iv) मुझे चिड़ियाघर में बहुत आनंद आया।
   (v) मैंने आन्या गुप्ता को पत्र लिखा।
   (vi) हम मुख्य द्वार से अंदर आए।
6. (i) मोरनी, (ii) हथिनी, (iii) मादा तोता, (iv) घोड़ी, (v) शेरनी, (vi) माता।
7. (i) चिट्ठी, (ii) जनक, (iii) सिंह, (iv) श्वेत, (v) दिवस, (vi) गज, (vii) इतवार, (viii) जननी।
8. (i) पक्षियों, (ii) घोड़ा, (iii) तोते, (iv) चिड़िया, (v) पशुओं, (vi) पिंजरा, (vii) किले, (viii) पत्ती।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।
- (i) सूँड, (ii) दाँत, (iii) कान, (iv) पैर, (v) आँखें (vi) पूँछ।

अध्याय 11 सोने का अण्डा

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) जगदीश जगदीशपुर गाँव में रहता था।
   (ख) जगदीश को रास्ते में साधु मिला।
   (ग) साधु ने जगदीश को एक मुर्गी दी।
   (घ) मुर्गी मर गई और उसके पेट में सोने के एक भी अण्डे न देख कर जगदीश की पत्नी दु:खी हुई।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (iii) ✓
   (ग) (ii) ✓ (घ) (iii) ✓
2. (क) जगदीशपुर, (ख) प्रसन्न, (ग) लालच, (घ) जगदीश, (ङ) मुर्गी
3. (क) ✓, (ख) ×, (ग) ×, (घ) ×
4. (क) जगदीश गरीब व्यक्ति था।
   (ख) जगदीश दूध बेचकर अपनी रोजी-रोटी चलाता था।
   (ग) पानी पीकर साधु जगदीश से प्रसन्न हुआ।
   (घ) जगदीश मरी हुई मुर्गी को देखकर रोया क्योंकि मुर्गी उसके लालच के कारण तड़प-तड़प कर मर गई।

भाषा विकास

5. (i) नाम, (ii) चलाता, (iii) लालच, (iv) डाँटा, (v) कारण, (vi) पछताना।
6. साधू, मूर्गि, अन्डा, सौने
7. (i) मुर्गा, (ii) पति, (iii) पुरुष, (iv) बुरा।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 12 बादल

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करे।
2. (क) काले-काले बादल धरती की प्यास बुझाते हैं।
   (ख) बादल पानी लाकर फूल खिलाते हैं।
   (ग) बिजली को चमकते देखकर और गड़-गड़ की आवाज सुनकर मोर नाचते हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (i) ✓
   (ग) (ii) ✓ (घ) (ii) ✓
2. को चमकाएँ हम,
   गड़-गड़ शोर
   नचाने वाले हैं,
   हम बादल
3. (क) (ii), (ख) (iii), (ग) (iv), (घ) (v), (ङ) (i)
4. (क) बादल धरती की प्यास पानी बरसाकर बुझाते हैं।
   (ख) बादल धरती की प्यास बुझाते हैं, फूल खिलाते हैं, मोर नचाते हैं तथा गरमी को दूर भगाते हैं।
   (ग) बादलों का रंग काला है।
   (घ) घोड़ा-हाथी बादल बन जाता है।

भाषा विकास

5. (i) नदी, (ii) गरमी, (iii) मस्ती, (iv) धरती।
6. (i) पुष्प, (ii) वायु, (iii) धरा, (iv) गज।
7. (i) नदियाँ, (ii) मोरों, (iii) घोड़े, (iv) हाथियों।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 13 बसंत पंचमी

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) हमारे भारतवर्ष में छः ऋतुएँ होती हैं।
   (ख) बसंत के मौसम में सभी का मन काम करने का करता है।
   (ग) बसंत-पंचमी प्रकृति का त्योहार है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) इनमें से कोई नहीं क्योंकि हमारे यहाँ छः ऋतुएँ हैं।
   (ख) (ii) (✓) , (ग) (iii) (✓)
2. (क) चैत्र-बैशाख, (ख) छः, (ग) अंकुर, (घ) प्रकृति, (ङ) सुहावना।
3. (क) ✓, (ख) ×, (ग) ×, (घ) ✓
4. (क) बसंत ऋतु को प्रकृति का त्योहार कहते हैं। इस ऋतु में मौसम बड़ा सुहावना होता है। न अधिक गरमी न अधिक जाड़ा, इसलिए बंसत ऋतु को ऋतुराज अर्थात् ऋतुओं का राजा कहते हैं।
   (ख) बसंत ऋतु के आने पर पेड़-पौधों में नए-नए अंकुर फूटने लगते हैं, सरसों की क्यारियाँ बसन्ती फूलों से लद जाती हैं।
   (ग) देश-भर में बसंत पंचमी बसंती वस्त्र पहनकर विद्या की देवी सरस्वती की पूजा करके मनाई जाती है। जगह-जगह मेले समारोहों का आयोजन होता है। घर-घर मिष्टान्न बनाए जाते हैं।
   (घ) बच्चे और स्त्रियाँ इस दिन बसंती रंग के कपड़े पहनते हैं और उल्लास में त्योहार मनाते हैं।

भाषा विकास

5. (i) कार्यक्रम, (ii) दिवस, (iii) बैशाख, (iv) सरसों, (v) अंकुर, (vi) ऋतुराज
6. (i) इस दिन विद्या की देवी माँ सरस्वती की पूजा की जाती है।
   (ii) बसंत पंचमी को बड़े उल्लास के साथ मनाया जाता है।
   (iii) बसंत का महीना सुहावना होता है।
   (iv) खेतों और बाग-बगीचों में हरियाली मन-मुग्ध कर देती है।
   (v) बंसत-पंचमी प्रकृति का त्योहार है।
7. (i) पुष्प, (ii) शारदा, (iii) पवन, (iv) पेड़, (v) वस्त्र, (vi) नृप।
8. (i) कार्यक्रमों, (ii) लताओं, (iii) वृक्षों, (iv) सम्मेलनों, (vii) क्यारियाँ, (viii) कथाएँ, (x) ऋतुओं, (xii) फूलों।

करके देखिए

- छात्र गुरुजी या अभिभावक महोदय की सहायता में स्वयं लिखें।
- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 14 मेहनत का फल

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) गिलहरी और कौआ बरगद के पेड़ के नीचे रहते थे।
   (ख) कौआ आलसी था।
   (ग) गिलहरी अपना अनाज समेटकर घर ले आई।
   (घ) मेहनत का फल मीठा होता है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) (✓) (ख) (i) (✓)
   (ग) (iii) (✓) (घ) (ii) (✓)
2. (क) बादल (ख) गिलहरी
   (ग) मित्रता (घ) कौआ।
3. (क) ✓, (ख) ×, (ग) ✓, (घ) ✓
4. (क) कौए की बात सुनकर गिलहरी ने कहा हमें इस खेत में अनाज पैदा करने की कोशिश करनी चाहिए।
   (ख) खेत जोतने गिलहरी गयी।
   (ग) कौआ पेड़ की डाल पर मुँह लटकाए इसलिए बैठा था क्योंकि उसका सारा अनाज पानी में बह गया।

भाषा विकास

5. अनाज, पौधे, बरगद, घास
6. (i) कौआ आलसी था।
   (ii) अगले दिन बड़े जोर की वर्षा हुई।
   (iii) कौआ और गिलहरी में मित्रता थी।
   (iv) कौवे का सारा अनाज पानी में बह गया।
7. (i) खट्टा, (ii) दुःखी, (iii) पूरा, (iv) शत्रुता, (v) आलसी (vi) बुरा।
8. (i) भ्राता, (ii) मेघ, (iii) जल, (iv) दिवस, (v) नभ, (vi) वृक्ष।
9. (i) पौधे (ii) गिलहरियाँ, (iii) कोशिशें, (iv) दिनों, (v) कौवे, (vi) खेतों।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 15 बंदर और टिड्डे

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करे।
2. (क) बदंरों का झुंड जंगल से गुजर रहा था।
   (ख) टिड्डों ने बंदरों को ताकतवर बताया है।
   (ग) बंदर टिड्डों से युद्ध करना चाहते थे।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) (✓) (ख) (i) (✓)
   (ग) (i) (✓) (घ) (ii) (✓)
2. (क) प्रतीक्षा, (ख) मैदान, (ग) टिड्डों, (घ) झुंड, (ङ) दुष्ट, (च) मूर्ख
3. (क) (iii), (ख) (iv), (ग) (i) (घ) (ii)
4. (क) बंदरों ने जंगल में एक मरे हुए बंदर तथा उछल-कूद करते टिड्डों को देखा।
   (ख) बंदरों ने टिड्डों से लड़ाई करने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि उनको लगा कि टिड्डों ने उनके भाई को मार दिया है।
   (ग) बंदरों के युद्ध की घोषण करने पर टिड्डे हैरान रह गये।
   (घ) टिड्डों के नेता ने बंदरों से सुबह युद्ध करने के लिए कहा।
   (ङ) अंतिम आलसी बंदर ने टिड्डों को पकड़ कर खा लिया और मर गया।

भाषा विकास

5. (i) दुष्ट, (ii) बहुत, (iii) गुजर, (iv) युद्ध, (v) बुरा, (vi) गुस्से।
6. (i) सभी टिड्डे बंदरों को देखकर हैरान हो गए।
   (ii) बंदरों ने टिड्डों से युद्ध किया।
   (iii) बंदरों का झुण्ड मूर्ख था।
   (iv) बंदरों का झुण्ड जंगल में रहता था।
   (v) बंदरों का एक साथी आलसी था।
7. (i) क्रोध, (ii) सूर्य, (iii) संगी, (iv) वन, (v) साँझ, (vi) भ्राता
8. (i) भाइयों, (ii) नेताओं, (iii) साथियों, (iv) बंदरों, (v) टिड्डे, (vi) झुंडों
9. (i) पतली, (ii) ठण्डा, (iii) आज, (iv) शोक, (v) संभव, (vi) शाम।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 16 वीर तुम बढ़े चलो

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) कविता के कवि का नाम द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी है।
   (ख) कविता से हमें निडर होने और धैर्य के साथ निरंतर आगे बढ़ने की शिक्षा मिलती है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) (✓) (ख) (i) (✓)
(ग) (ii) (✓)

2. पहाड़ हो, सिंह की,
हटो नहीं, तुम निडर डटो,
तुम बढ़े चलो, वीर तुम बढ़े

3. (क) (iii), (ख) (v), (ग) (i), (घ) (ii), (ङ) (iv)

4. (क) वीर और धीर शब्दों से आशय है—बहादुर और गम्भीर।
(ख) मनुष्य को कठिनाइयों का सामना निडर होकर डटकर करना चाहिए।
(ग) मेघ के गरजने, बिजली के तड़कने से कवि का तात्पर्य है—विपरीत परिस्थितियाँ, विघ्न-बाधा और अवरोध कितनी भी कठिनाइयाँ आएँ वीर को रुकना नहीं है।

भाषा विकास

4. (i) हमें निडर बनना चाहिए।
   (ii) हमें अपने मित्र के संग रहना चाहिए।
   (iii) भारत के सैनिक वीर हैं।
   (iv) मंदिर पर ध्वजा लहरा रही थी।
5. (i) डर, (ii) रात्रि (iii) तुम, (iv) कायर
6. (i) शेर , (ii) मेघ, (iii) कर, (iv) बहादुर, (v) भास्कर, (vi) पानी।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें। ❐

अध्याय 1 सबसे सीखें

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) नम्र बनने का संदेश बादल दे रहा है।
   (ख) सूरज के जगने से पहले काम पर लग जाना चाहिए।
   (ग) सागर बल पाकर गंभीर बनने को कहता है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (i) ✓ (घ) (ii) ✓
2. (क) *चंचल* पुलक किरण कहती है,
   सारा जग जगमग *कर दो*।
   दीन निराश हृदयों के भीतर
   आशा–उजियारा *भर दो*।।
   (ख) *शीतल* मलय पवन कहती है।
   मुझ जैसे *गतिशील* बनो।
   हँसो–हँसाओ, लहराओ नित
   चेतन और सुशील बनो।।
3. (क) (iii), (ख) (v), (ग) (i), (घ) (ii), (ङ) (vi), (च) (iv)
4. (क) बादल हमें नम्र बनने का संदेश देता है।
   (ख) किरण सारे संसार में दीन–दुखियों के हृदय में आशा का उजाला करने की सलाह देती है।
   (ग) पक्षी सुबह–सुबह जल्दी उठकर अपने काम पर लगने की सलाह देते हैं।
   (घ) समुद्र लहराता हुआ हमें संदेश देता है कि बल पाकर गंभीर बनो, मर्यादा को कभी न भूलो, बलशाली और धीर बनो।

भाषा विकास

5. (i) व्यक्ति श्रम करके ही सफलता प्राप्त करता है।
   (ii) जग में बहुत सुन्दर–सुन्दर प्राकृतिक कलाकृतियाँ हैं।
   (iii) हमें कभी अहंकार नहीं करना चाहिए।
   (iv) असफल होने पर हमें निराश नहीं होना चाहिए।
   (v) मोहन बहुत ही सुशील छात्र है।
6. (i) रास्ता, (ii) दिनकर, (iii) पक्षी, (iv) मेघ, (v) नदी, (vi) मन
7. (i) गतिशील, (ii) शीतल, (iii) व्यर्थ, (iv) सरिता, (v) उजियारा, (vi) निर्झर।

करके देखिए

- इस कविता से हमने सीखा कि हमारे आस–पास भी बहुत कुछ सीखने के लिए हैं। अगर हम बड़ा बनना चाहते हैं, तो प्रकृति की प्रत्येक वस्तु से अच्छा गुण लेकर हम अपने आपको बहुत ऊँचा उठा सकते हैं।

अध्याय 2 नकल एक बुरी आदत

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) कौआ नदी के किनारे पेड़ पर रहता था।
   (ख) कौए की दोस्ती बगुले से हुई।
   (ग) बगुला मछली पकड़ने में माहिर था।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (iii) ✓
   (ग) (iii) ✓
2. (क) आसमान, (ख) कौए, (ग) मुश्किल, (घ) निगाह, (ङ) मछलियाँ
3. (क) (iii), (ख) (v), (ग) (i), (घ) (ii) (ङ) (iv)
4. (क) कौआ रोज नदी के किनारे जाता और बगुले को नमस्कार करता। इस तरह धीरे–धीरे कौए और बगुले में दोस्ती हुई।
   (ख) बगुला फर्राटे से नीचे आता और अपनी चोंच पानी में डालता पैर ऊँचे रख झट से मछली पकड़ता था।
   (ग) कौए की चोंच काई और बेलों में उलझ गई पाँव ऊँचे होने के कारण कौआ पानी में डूबने लगा।

भाषा विकास

5. (i) नमस्कार, (ii) मछलियाँ, (iii) मुश्किल, (iv) आसमान
6. (i) बगुले ने बड़ी मुश्किल से कौए को पानी से निकाला।
   (ii) कौआ फुरती से मछली पर झपटा।
   (iii) कौआ प्रतिदिन बगुले को नमस्कार करता था।
   (iv) कौए और बगुले में दोस्ती थी।

(v) एक दिन कौआ भोजन की तलाश में निकला।

7. (i) कौए, (ii) नदियाँ, (iii) बेलें (iv) दिनों, (v) मछलियाँ (vi) बगुले

8. (i) काम, (ii) विदेश, (iii) रास्ते, (iv) अनजान

9. (i) बेचैन, व्याकुल (ii) बढ़िया, अच्छा
(iii) शुक्रिया, धन्यवाद (iv) गँवाना, खोना
(v) डर, भय (vi) सहायता, मदद

करके देखिए

- इस कहानी से हमें किसी की नकल न करने की सीख मिलती है।
- छात्र/छात्रा स्वयं करें।
- कौवा मन ही मन सोचता मछली पकड़ना कौन सी बड़ी बात है। सब कुछ सोच-विचार कर एक दिन कौआ आसमान में उड़ा। फिर फर्राटे से नीचे आया पाँव ऊँचा रख, चोंच नीची कर फुरती से मछली पर झपटा, लेकिन मछली खिसक गई। कौए की चोंच काई और बेलों में उलझ गई और फिर वह पानी में डूबता गया।

अध्याय 3 दानवीर कर्ण

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं करें।
2. (क) कौरवों और पाण्ड़वों के मध्य युद्ध चल रहा था।
(ख) महारथी कर्ण के गुरु परशुराम थे।
(ग) श्रीकृष्ण की आज्ञा पाकर अर्जुन ने कर्ण को बाण मारा।
(घ) कर्ण की दानशीलता दूर-दूर तक प्रसिद्ध थी।
(ङ) कौरव और पाण्डवों के मध्य महाभारत का युद्ध हुआ।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) ✓ (ख) (ii) ✓
(ग) (iii) ✓ (घ) (i) ✓
2. (क) दानशीलता, (ख) सोने, (ग) पहिया, (घ) दानवीर, (ङ) मरणासन्न
3. (क) ×, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ×
4. (क) साधुओं का वेश श्री कृष्ण और अर्जुन ने धारण किया।
(ख) भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन कर्ण की दानशीलता की परीक्षा लेना चाहते थे।
(ग) कर्ण ने साधु के भोजन के प्रबंध के लिए अपना सोने का दाँत उखाड़कर दे दिया।
(घ) कर्ण की दानशीलता देखकर श्रीकृष्ण और अर्जुन की आँखों से अश्रु बहने लगे।
(ङ) अपने गुरु परशुराम के श्राप के कारण कर्ण अपनी धनुर्विद्या भूल गये।

भाषा विकास

5. (i) अवस्था, (ii) विचार, (iii) शाप, (iv) दानवीर।
6. (i) देवी, (ii) गुरुमाता, (iii) साध्वी, (iv) भिक्षुणी।
7. (i) पत्थरों, (ii) साधुओं, (iii) पांडवों, (iv) कौरवों।
8. (i) असाधु, (ii) कंजूस, (iii) स्वस्थ, (iv) धनी।

करके देखिए

- पांडव पांडु के पुत्र थे। इनकी माता का नाम कुंती था। ये पाँच थे जिनके नाम क्रमशः युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव थे। कृष्ण की सहायता से इन्होंने महाभारत युद्ध को जीता और इंद्रप्रस्थ को राजधानी बनाया।
- महाभारत युद्ध का प्रमुख कारण यह था कि कौरवों और पांडवों के बीच राज्य का उत्तराधिकारी बनने को लेकर विवाद हो गया। कौरवों में ज्येष्ठ युवराज दुर्योधन छल-कपट से राजपाट हथियाना चाहता था जबकि न्याय के अनुसार राजपाट युधिष्ठिर को मिलना था। युधिष्ठिर की न्यायोचित माँग को ठुकरा देने पर महाभारत युद्ध का आरंभ हुआ।

(नोट- छात्र बड़े-बुजुर्गों से अधिक जानकारी प्राप्त करें)

अध्याय 4 काबुलीवाला

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) लेखक की लड़की का नाम मिनी था।
(ख) काबुलीवाले ने मिनी के पड़ोसी को चादर के पैसे न देने पर छुरा मारा था।
(ग) सिपाही काबुलीवाले को जेल ले जा रहे थे।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) ✓ (ख) (ii) ✓
(ग) (ii) ✓ (घ) (iii) ✓

2. (क) नन्हे-पंजे, (ख) रुपए, (ग) रहमत, (घ) गुस्सा
3. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ)✓, (ङ) ×
4. (क) मिनी का स्वभाव बहुत बोलने वाला यानी बातूनी था।
   (ख) काबुलीवाले की झोली में मेवे होते थे।
   (ग) रहमत को मिनी के पड़ोसी पर छुरा चलाने के कारण जेल जाना पड़ा।
   (घ) काबुलीवाला मिनी को इसीलिए प्यार करता था क्योंकि उसकी भी मिनी जैसी उतनी ही बड़ी बेटी थी।
   (ङ) काबुली वाले को पहली वार देखकर मिनी इसलिए डर गई क्योंकि उसे लगा कहीं वह उसे पकड़ न ले जाए।

भाषा विकास

5. (i) प्रतिदिन, (ii) पोशाक, (iii) वसूल, (iv) काबुलीवाला, (v) किशमिश, (vi) ससुराल।
6. (i) कम हो जाना, (मिनी शर्म के मारे सिकुड़ गई।)
   (ii) पति के घर जाना, (मिनी विवाह करके अपनी ससुराल चली गई।)
   (iii) रो जाना या भावुक हो जाना, (मिनी को देखकर रहमत की आँखें भर आईं।
7. (i) अविश्वास, (ii) अनर्थ, (iii) खुश, (iv) विदेश, (v) निरपराध, (vi) रोना।
8. (i) बच्चा, (ii) बेटा, (iii) ससुर, (iv) लड़का, (v) हथिनी, (vi) माता।
9. (i) बच्चे, (ii) लड़कियाँ, (iii) खिड़कियाँ, (iv) सड़कें।

करके देखिए

- हाँ, मैंने फेरीवाले को देखा है। यह हमारे घर के सामने से आबाज लगाता हुआ निकलता है—सब्जी ले लो, सब्जी ले लो। बचपन से ही मैं उसे देखती आ रही हूँ। माँ बताती हैं कि मैं जब छोटी थी तो माँ के साथ सब्जी वाले के ठेले तक जाती थी। सब्जीवाला मेरे लिए टॉफियाँ, बिस्कुट, लाता था। मैं उन्हें पाकर खुश हो जाती थी। फेरी वाला फल भी लाता है, परन्तु मैं अब उससे टॉफियाँ नहीं लेती।

(नोट- बच्चे अपना अनुभव लिखें।)

अध्याय 5 हिमालय

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) हिमालय आँधी पानी से न डरने की बात कह रहा है।
   (ख) हिमालय संकट के समय में अविचल खड़े रहने को कह रहा है।
   (ग) हिमालय सफल होने के लिए अपने पथ पर अचल रहने का तरीका बता रहा है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (i) ✓
   (ग) (ii) ✓
2. (क) *डिगो* न अपने प्रण से तो तुम
   सब कुछ पा सकते *हो प्यारे,*
   तुम भी ऊँचे उठ सकते हो,
   छू सकते हो *नभ के तारे*।
   (ख) *खड़ा* हिमालय बता रहा है,
   डरो न आँधी *पानी में,*
   खड़े रहो तुम अविचल होकर
   सब संकट *तूफानों में,*
3. (क) (iii), (ख) (iv), (ग) (i) (घ) (ii)
4. (क) खड़ा हिमालय आँधी पानी से न डरने की बात बता रहा है।
   (ख) हम अपने पथ पर अविचल होकर ऊँचे उठ सकते हैं।
   (ग) सफलता उसको प्राप्त होती है, जो अपने पथ पर निरन्तर अग्रसर रहते हैं।

भाषा विकास

5. (i) मुसीबत में डरना नहीं चाहिए।
   (ii) परिश्रमी व्यक्ति ही सफलता प्राप्त करता है।
   (iii) संकट में घबराना नहीं चाहिए।
   (iv) हिमालय ऊँचा पर्वत है।
   (v) हमें अचल होकर अपने पथ पर चलना चाहिए।
6. (i) आकाश, (ii) रास्ता, (iii) शपथ, (iv) भय।
7. (i) असफलता, (ii) नीचे, (iii) आग, (iv) निडर।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।
- प्रस्तुत कविता का भावार्थ यह है कि ऊँचा खड़ा अडिग हिमालय पर्वत हमें यह बता रहा है कि जिस तरह वह तेज आँधी, तूफान, व बारिश में अडिग खड़ा रहता है, उसी तरह व्यक्ति को भी अपने उद्देश्य के लिए अडिग होना चाहिए। उसके जीवन में आई सभी कठिनाइयों का सामना करके उसे अपने रास्ते पर अडिग और दृढ़ होते हुए चलना चाहिए। वह अवश्य ही अपना लक्ष्य प्राप्त कर लेगा।

अध्याय 6 एकता में ही ताकत है

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) रामदास एक किसान था।
   (ख) रामदास अपने बेटों के दुर्व्यवहार और आपस में झगड़ते रहने के कारण दु:खी था।
   (ग) मोटाराम सभी बच्चों से लड़ता और उनकी किताबें फाड़कर उन्हें दु:खी करता था।
   (घ) रामदास ने पाँच धागों की एक लच्छी बनाई।
   (ङ) रामदास ने लड़कों को समझाया कि एकता में ही ताकत है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (iii) ✓
   (ग) (ii) ✓ (घ) (iii) ✓
2. (क) डोरी, (ख) एकता, (ग) विद्यार्थियों, (घ) व्यवहार
3. (क) ×, (ख) ✓, (ग) ×, (घ) ✓
4. (क) रामदास के बेटे हमेशा आपस में झगड़ते रहते थे।
   (ख) मोटाराम बाद में नेक लड़का बन गया था।
   (ग) रामदास के घर के पास मोटाराम नाम का एक लड़का रहता था।
   (घ) रामदास के सभी लड़कों ने एकसाथ मोटाराम का सामना किया। जिससे मोटाराम हार गया और वे पाँचों जान गये कि एकता में ही ताकत है।

भाषा विकास

5. (i) चींटी धीरे-धीरे चलती है।
   (ii) हमारे आस-पास अच्छा वातावरण है।
   (iii) हमें किसी चीज को अनावश्यक नहीं तोड़ना चाहिए।
   (iv) जरूरतमन्दों की मदद करना अच्छी बात है।
6. (i) गाता है, (ii) रही है, (iii) है, (iv) हूँ, (v) हूँ, (vi) हैं।
7. (i) श्याम, (ii) चिड़िया, (iii) लड़का, (iv) मैं, (v) मैं, (vi) वे।
8. (i) लड़की, (ii) सुखी, (iii) दूर, (iv) जल्दी-जल्दी।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 7 बड़ा कौन

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) राजकुमार सिद्धार्थ राजमहल के बाहर बगिया में टहल रह थे।
   (ख) हंस को देवदत्त ने तीर मारा था।
   (ग) हंस सिद्धार्थ के पास गया।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (i) ✓ (घ) (i) ✓
   (ङ) (i) ✓
2. (क) राजमहल, (ख) लहूलुहान, (ग) मरहम, (घ) देवदत्त, (ङ) अहिंसा
3. (क) (ii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (i) (ङ) (iii)
4. (क) प्रात: काल के समय ठंडी हवा बहती है और चिड़ियाँ बागों में चहचहाती हैं।
   (ख) सिद्धार्थ ने हंस को लगे तीर को निकाला व उस पर मरहम पट्टी की। इस प्रकार उन्होंने हंस की जान बचाई।
   (ग) देवदत्त ने सिद्धार्थ की शिकायत महाराज से की।
   (घ) महात्मा बुद्ध ने पूरी दुनिया को प्रेम, शांति और अहिंसा का पाठ पढ़ाया।

भाषा विकास

5. (i) अहिंसा, (ii) उधर, (iii) अशांति, (iv) गर्मी, (v) दिन
6. (i) वृक्षों, (ii) दरबारों, (iii) पक्षियों, (iv) पैरों
7. (i) प्यार, (ii) नृप, (iii) नभचर, (iv) नीर, (v) गुस्सा, (vi) मराल, (vii) पेड़, (viii) जमीन,
8. (i) लहूलुहान, (ii) सिद्धार्थ, (iii) बगिया, (iv) निर्दोष
9. (i) हमें कैसी वाणी बोलनी चाहिए?
   (ii) क्या तुम उसे जानते हो!
   (iii) आशा मेरे विद्यालय में पढ़ती है।
   (iv) पापा बाजार से फल लाए।
   (v) आपका घर कहाँ है?

करके देखिए

- कहानी में हंस दरबार में छोड़ देने पर वह देवदत्त को छोड़कर सिद्धार्थ के पास आ जाता है, क्योंकि सिद्धार्थ ने हंस की जान बचाई। हंस सिद्धार्थ के पास अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रहा था। इसका अर्थ यही है कि बचाने वाला मारने वाले से बड़ा होता है।

- एक बार मेरे दरवाजे पर एक गरीब व्यक्ति आ गया। वह भूखा–प्यास था, उसके कपड़े भी फट गए थे। उसने मुझसे कुछ खाने को देने के लिए कहा। मैंने उसे भोजन कराया और उसे एक जोड़ी कपड़े दिए। वह बेचारा प्रसन्न मन में मुझे दुआएँ देता आगे बढ़ गया। मुझे भी आत्मशांति की अनुभूति हुई।
(नोट– बच्चे अपनी घटना लिखें।)

अध्याय 8 आओ मिलकर पेड़ लगाएँ

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) प्रस्तुत कविता के रचयिता सुरेन्द्र शर्मा हैं।
   (ख) प्राणवायु पेड़ देते हैं।
   (ग) प्रत्येक व्यक्ति का कम से कम एक पेड़ लगाने का फर्ज बनता है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (iii) ✓
2. (क) *आओ* मिलकर पेड़ लगाएँ
   हरा–भरा ये देश *बनाएँ*।
   वातावरण को स्वच्छ बनाकर
   इस जीवन को स्वस्थ *बनाएँ*।।
   (ख) *पेड़ न* कोई कटने पाएँ
   जंगल अब न हटने *पाएँ*।
   मिलकर हम सब कसम ये खाएँ
   आओ मिलकर पेड़ *लगाएँ*।।
3. (क) (v), (ख) (iv), (ग) (ii), (घ) (i), (ङ) (iii)
4. (क) पेड़ लगाने से वातावरण स्वच्छ होता है।
   (ख) पेड़ हमें प्राणवायु देते हैं।
   (ग) सब मिलकर पेड़ लगाने की कसम खाएँ।

भाषा विकास

5. (ii) पेड़, (iv) वातावरण, (v) कसम, (vii) जंगल, (x) प्रदूषण, (xi) भरा, (xii) प्राणवायु
6. (i) अल्पायु, (ii) मरण, (iii) जाओ, (iv) घटते, (v) ज्यादा, (vi) अस्वस्थ, (vii) दूषित, (viii) विदेश

करके देखिए

- पेड़ हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण हैं। पेड़ हमें साँस लेने के लिए ऑक्सीजन देते हैं, खाने के लिए फल–सब्जी देते हैं, पेड़ हमें छाया देते हैं, पेड़ों की लकड़ियों से फर्नीचर बनाया जाता है। ये वातावरण को स्वच्छ रखते हैं, जिससे हम भी स्वस्थ रहते हैं।
- छात्र स्वयं करें।

अध्याय 9 भगत सिंह

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) भारत में अंग्रेजों का राज था।
   (ख) शांतिपूर्वक स्वाधीनता पाने का प्रयत्न गांधी जी, जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल और राजेन्द्र प्रसाद कर रहे थे।
   (ग) भगत सिंह के जन्म के दिन उनके पिता किशन सिंह और दो चाचा अजीत सिंह और स्वर्ण सिंह जेल से रिहा हुए।
   (घ) भगत सिंह के पिताजी का नाम सरदार किशन सिंह था।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (i) ✓
   (ग) (iii) ✓
2. (क) अजीत सिंह, (ख) अमर (ग) नवयुवक, व्याकुल, (घ) भारतमाता (ङ) लायलपुर
3. (क) (iii) (ख) (iv)
   (ग) (v) (घ) (ii)
   (ङ) (i)
4. (क) भगत सिंह जैसे नवयुवक फिरंगियों को जाने के लिए विवश करके स्वाधीनता प्राप्त करना चाहते थे।
   (ख) भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 ई० में हुआ।
   (ग) देश–सेवा में लगे रहने के कारण भगत सिंह ने विवाह करने से मना कर दिया।
   (घ) भगत सिंह ने एसेंबली में बम इसीलिए फेंका क्योंकि वह अंग्रेजों को डराना, धमकाना व विरोध प्रकट करना चाहते थे।
   (ङ) भगत सिंह के जीवन से देशभक्ति व निडर होने की प्रेरणा मिलती है।

भाषा का विकास

5. (i) समाज के हर व्यक्ति को कर्तव्यों के लिए जाग्रत रहना चाहिए।

(ii) गैर-कानूनी काम करने पर सजा मिलती है।
(iii) सभी शांतिपूर्वक जीवन जीना चाहते हैं।
(iv) हमारे देश के सिपाही वीर हैं।
(v) देशभक्त देश के लिए बलिदान देते हैं।

7. (i) कपूत, (ii) अंशाति, (iii) गुलामी, (iv) कायर, (v) माता, (vi) मृत्यु।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा अध्यापक महोदया की सहायता से स्वयं करें।

अध्याय 10 क्रिसमस का दिन

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) नाटक में क्रिसमस त्योहार की बात की गई है।
   (ख) बूढ़ा व्यक्ति बालक से कुछ खाने को माँगता है।
   (ग) बालक ने जब दरवाजा खोला तो उसने एक बूढ़े व्यक्ति को अपने सामने पाया।
   (घ) बालक ने केक एक लाचार, भूखे बूढ़े व्यक्ति को दे दिया।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (i) ✓
   (ग) (i) ✓
2. (क) भगवान, (ख) भूख, (ग) क्रिसमस, (घ) केक, (ङ) निर्धन, बेबस
3. (क) ×, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ×, (ङ) ×
4. (क) त्योहार वाले दिन बालक इसीलिए उदास था, क्योंकि वह गरीब था, और क्रिसमस नहीं मना पा रहा था।
   (ख) बालक को घर जाते समय रास्ते में एक भूखा बूढ़ा व्यक्ति मिला।
   (ग) देवदूत ने बालक से कहा कि वह वही बूढ़ा व्यक्ति है जिसे उसने केक दिया, उसे भगवान ने बालक को क्रिसमस का सही अर्थ समझाने के लिए भेजा है।

भाषा विकास

5. (i) हमें निर्धन की सहायता करनी चाहिए।
   (ii) हमें मुसीबतों के सामने बेबस नहीं होना चाहिए।
   (iii) हमें सदैव नेक काम करने चाहिए।
   (iv) हमें लाचारों की मदद करनी चाहिए।
   (v) क्रिसमस 25 दिसंबर को मनाया जाता है।
6. (i) बैल, (ii) दादी, (iii) बकरा, (iv) बूढ़ी, (v) बालिका, (vi) पिता
7. (i) धनी, (ii) देर, (iii) निर्दयी, (iv) खुश, (v) काला, (vi) कम,
8. (i) क्रिसमस, (ii) खुश, (iii) देवदूत, (iv) निर्धन, (v) रुपए, (vi) जल्दी

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।
- (क) चाचा नेहरू बच्चों को बहुत प्यार करते थे। इसलिए भारत के प्रथम प्रधानमंत्री की जयंती बाल-दिवस के रूप में मनाई जाती है।
  (ख) राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने हमें अंग्रेजों से आजादी दिलाई। उनके सम्मान में उनकी जयंती गाँधी जयंती के रूप में मनाते हैं।
- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 11 हुआ सवेरा

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) गुन-गुन करता भौंरा आया।
   (ख) भौंरे ने भोर का गीत सुनाया।
   (ग) पंख फैलाकर तितली उड़ी।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (i) ✓
   (ग) (iii) ✓
2. (क) चिड़ियाँ चहकीं
   फूल खिले और
   (ख) खोई दुनिया जागी
   रोज के अपने काम
   (ग) साँस भरो तुम,
   अब न आलस और
3. (क)-(iii), (ख)-(v), (ग)-(iv), (घ)-(ii),(ङ)-(i)
4. (क) सुबह होते ही चिड़ियाँ चहकी, फूल खिले, कलियाँ महकी, भौंरे ने गाना सुनाया, तितलियाँ उड़ी।
   (ख) सुबह जल्दी जागने से शरीर स्वस्थ व फुर्तीला रहता है।
   (ग) देर तक सोने से हम सुबह का सुन्दर दृश्य खो देते हैं।

भाषा विकास

5. (i) आलस, (ii) पंख, (iii) कलियाँ, (iv) दृश्य, (v) तितली, (vi) चहकी

6.

(i)	समीर,	हवा,	वायु
(ii)	प्रातः,	भोर,	सवेरा
(iii)	प्रतिदिन,	प्रतिरोज,	दैनिक
(iv)	संसार,	जग,	लोक
(v)	कुसुम,	पुष्प,	प्रसून
(vi)	दिवस,	वासर,	वार
(vii)	सूरज,	रवि,	भानु
(viii)	शशि,	राकेश,	निशाकर

7. (i) शाम, (ii) शूल, (iii) सोना, (iv) अस्वस्थ, (v) फुर्ती, (vi) बासी, (vii) बदसूरत, (viii) पाना

क्रियाकलाप

- सुबह का दृश्य बहुत ही सुन्दर व मन–मोहक होता है, सुबह चिड़ियाँ पेड़ों पर चहचहाती हैं, भौंरे गीत गाते हैं, तितलियाँ उड़ती हैं। बगीचे में सभी लोग घूमते हैं। ठंडी–ठंडी हवा बहती है।

अध्याय 12 बर्तनों के बच्चे

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) लोग माधवपुर के सेठ से बर्तन उधार लेते थे।
   (ख) "सेठ जी भला बर्तनों के कहीं बच्चे पैदा होते हैं" यह हरीश ने कहा।
   (ग) सेठ जी को मोहन ने सबक सिखाया।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) ✓ (ख) (ii) ✓ (ग) (iii) ✓
2. (क) चालाकी, (ख) घबरा, (ग) उधार, (घ) उत्सव, (ङ) बच्चे, (च) बर्तन।
3. (क) ✓, (ख) ×, (ग) ✓, (घ) ✓
4. (क) सेठ माधवपुर गाँव में रहता था।
   (ख) लोग सेठ से इसीलिए डरते थे, क्योंकि वह उनसे दोगुने बर्तन वसूलता था।
   (ग) हरीश ने सेठ को और बर्तन इसीलिए खरीदकर दिए क्योंकि सेठ ने कहा कि उसके बर्तनों के पेट में बच्चे थे। और अब वो पैदा हो चुके होंगे उसे और बर्तन चाहिए, नहीं तो वह उसकी सारी जमीन जब्त कर लेता।
   (घ) मोहन के अनुसार सेठ के बर्तन बीमार हो गये थे।

भाषा विकास

5. (i) ऐंठ, (ii) ब्याह, (iii) जन्म, (iv) दोगुने, (v) उत्सव, (vi) बर्तन
6. (i) बूढ़ा (iii) खुशी (iv) सेठ (v) माधवपुर, (x) बच्चे।

करके देखिए

- ईमानदारी से कार्य करने पर हमें किसी के साथ धोखा नहीं करना पड़ता; न ही झूठ बोलना पड़ता है। ईमानदारी से काम करने पर हमारे मन को शांति मिलती है तथा लोगों में प्रशंसा होती है और हम लोगों के भरोसे–मंद हो जाते हैं।
- ईमानदारी से अंक लाने के लिए हम नियमित रूप से विद्यालय जाएंगे। वहाँ भली प्रकार विषय को समझेंगे। घर आकर विद्यालय का गृहकार्य करेंगे। दिए गए विषयों को पढ़कर याद करेंगे। योजना बनाकर परीक्षा की तैयारी के लिए कठोर मेहनत करेंगे। इस प्रकार मेहनत से पढ़ाई करके हम परीक्षा में अच्छे अंक लाएँगे और सबकी प्रशंसा पाएँगे।
- यदि मोहन की जगह मैं होता तो मैं भी इसी प्रकार की कोई युक्ति आजमाता क्योंकि मोहन ने सेठ की ही चाल से सेठ को सबक सिखाया था।
- छात्र स्वयं करें।

अध्याय 13 शिक्षाप्रद दोहे

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) नदी से हमें शिक्षा मिलती है कि परमार्थ की भावना रखनी चाहिए।
   (ख) सुखी व्यक्ति वह होता है, जो दूसरे की समृद्धि को देखकर ललचता नहीं है और खुश रहता है।
   (ग) ईश्वर इस संसार का स्वामी है। सभी कुछ उसके अनुसार ही होता है, इसलिए ईश्वर सर्वशक्तिमान है।

(घ) गुरु के रूठने पर भगवान भी सहायता नहीं करते।

(ङ) उक्त दोहों के रचनाकार कबीरदास जी हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (i) ✓
   (ग) (i) ✓ (घ) (iii) ✓
2. (क) बोलिए मन का आपा खोय,
   औरन को सीतल करे, आपहुँ
   (ख) खाइ के ठंडा पानी पीव,
   देखि पराई चूपड़ी, मत
   (ग) होत है, बंदे ते कछु नाहिं।
   राई ते पर्वत करे, पर्वत।
3. (क) (iv), (ख) (v), (ग) (ii), (घ) (i), (ङ) (iii)
4. (क) सज्जन परोपकार के लिए ही शरीर धारण करते हैं।
   (ख) दुर्बल व्यक्ति सताये जाने पर बहुत दु:खी होता है, दु:खी होकर वह सताने वाले के लिए बुरी दुआएँ देता है, जिससे सताने वाला नष्ट हो जाता है। अत: दुर्बल को सताना बुरा बताया है।
   (ग) कबीरदास जी ने गुरु को ईश्वर से भी बड़ा बताया है, क्योंकि भगवान के बारे में गुरु ही शिष्य को बताते हैं।
   (घ) वृक्ष हमें परोपकार की शिक्षा देते हैं। परोपकार के लिए ही सज्जन व्यक्ति जीवन धारण करते हैं।

भाषा विकास

5. (i) खाते हैं, (iv) शरीर, देह (ii) नहीं, (iii) हृदय/मन, (vii) भगवान, (viii) धारण किया, (vi) बोल, (ix) शरण में, (v) शीतलता/ठंडक, (x) परोपकार
6. (i) हमें गुरु की आज्ञा का पालन करना चाहिए।
   (ii) हमें हरि की पूजा करनी चाहिए।
   (iii) हमें गुस्सा आने पर भी आपा नहीं खोना चाहिए।
   (iv) हमें सुखपूर्वक रूखा-सूखा भी खा लेना चाहिए।
   (v) हिमालय ऊँचा पर्वत है।
   (vi) हमें मधुर वाणी बोलनी चाहिए।
7. (i) अवनति, (iv) गरम, (ii) मनाना, (v) कड़वा, (iii) जुड़ना, (vi) सबल
8.

(i)	शिक्षक,	आचार्य,	मार्गदर्शक
(ii)	भगवान,	परमेश्वर,	ईश्वर
(iii)	पानी,	जल,	तोय
(iv)	पेड़,	तरू,	विटप
(v)	पहाड़,	गिर,	नग
(vi)	सरिता,	तटिनी,	तरंगिनी
(vii)	बानी,	शब्द,	बात
(viii)	जलज,	बारिज,	अंबुज
(ix)	आग,	पावक,	अनल
(x)	हवा,	समीर,	पवन

क्रियाकलाप

- कबीरदास के जन्म के बारे में ठीक-ठीक ज्ञात नहीं है। तालाब के किनारे ये एक जुलाहा दम्पती को मिले। जुलाहा दम्पत्ति ने इनका पालन-पोषण किया। बड़े होकर ये बहुत बड़े समाज-सुधारक संत बने। इन्होंने हिन्दू-मुसलमान दोनों ही धर्मों के लोगों को समझाया था। कुरीतियों पर चोट की। कहते हैं जब इनकी मृत्यु हुई तो इनके हिन्दू अनुयायी इनके शव को जलाना चाहते थे और मुसलमान दफनाना। परंतु इनके मृत शरीर के ऊपर की जब चादर हटाई गई तो वहाँ केवल फूल थे। जिन्हें हिन्दू-मुस्लिम ने आधा-आधा बाँट लिया।
- छात्र स्वयं करें।

अध्याय 14 पवित्र हाथ

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) गुरु गोविन्द सिंह को धर्म-चर्चा करने के बाद ही प्यास लगी।
   (ख) शिष्य को प्रसन्नता इसीलिए हुई क्योंकि गुरु गोविन्द सिंह जी ने उसके हाथों को कोमल बताया।
   (ग) शिष्य ने भविष्य में श्रम करने का वादा किया।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (iii) ✓
   (ग) (ii) ✓
2. (क) प्रशंसा, (ख) स्वर, (ग) गुरु गोविन्द सिंह
3. (क) ×, (ख) ✓, (ग) ×, (घ) ✓
4. (क) शिष्य धर्म-चर्चा मंत्र-मुग्ध होकर सुन रहे थे।
   (ख) गुरु गोविंद सिंह ने अपने शिष्यों से पवित्र हाथों से पानी लाने के लिए कहा।
   (ग) गुरु गोविंद सिंह ने शिष्य के हाथ का पानी इसीलिए नहीं पिया क्योंकि वह कोई श्रम और सेवा नहीं करता था, इस प्रकार उसके हाथ पवित्र नहीं थे।

(घ) इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि पवित्रता श्रम और सेवा करने से आती है।

भाषा विकास

5. निर्मल, प्राप्त, गर्व, प्रशंसा, प्रसन्नता, पवित्र, धाराप्रवाह, श्रम, चर्चा

6. (i) गुरुदेव, (ii) निर्मल, (iii) गिलास, (iv) कोमल।

7. (i) कठोर, (ii) शुरू, (iii) अपवित्र, (iv) अधर्म।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 15 विनम्रता की जीत

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) बिल्ली के पास टिंकू चूहा आया।
   (ख) टिंकू चूहे को देखकर बिल्ली की नींद उड़ गई।
   (ग) टिंकू चूहा अंत में बिल्ली मौसी के पास पसर गया।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (i) ✓
   (ग) (iii) ✓ (घ) (i) ✓
2. (क) आत्महत्या, (ख) जहरीली, (ग) चौंकती, (घ) हड़बड़ाते, (ङ) निद्रा
3. (क) ✓, (ख) ×, (ग) ×, (घ) ✓, (ङ) ✓
4. (क) पूसी बिल्ली की नींद टिंकू चूहे को अपने पास देखकर उड़ गई।
   (ख) टिंकू चूहा पूसी बिल्ली के पास खुद को बिल्ली का आहार बनाने के लिए गया।
   (ग) पूसी बिल्ली ने टिंकू चूहे को खाने से इसीलिए मना कर दिया, क्योंकि उसे जो मजा संघर्ष करके शिकार करने में आता वह ऐसे आत्मसमर्पण में नहीं आयेगा।

भाषा विकास

5. (i) संघर्ष ही जीवन की सफलता की कुँजी है।
   (ii) हमें ईश्वर पर भरोसा होना चाहिए।
   (iii) हमें सुबह-सुबह प्रकृति के स्पर्श का आनंद लेना चाहिए।
   (iv) घर में उत्सव होने पर लोगों को न्योता दिया जाता है।
   (v) चूहे ने बिल्ली के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।
6. (i) काल, मरण, मृत्यु
   (ii) सुरसरि, भागीरथी, जाह्नवी
   (iii) चक्षु, नयन, नेत्र
   (iv) विद्युत, चपला, चंचला
   (v) प्रयत्न, प्रयास, चेष्टा
   (vi) आग, अनल, पावक
7. भोजन, बिल्ली, संघर्ष, पसर, पूसी, हैरत, पेड़

करके देखिए

- एक चूहा था, उसकी बिल्ली से दोस्ती हो गई। दोनों साथ-साथ रहते थे। एक रात वे दोनों रसोई घर में घुस गए। बिल्ली ने पंजा मारकर दूध फैला दिया और दोनों फैले दूध को पीने लगे। चूहा का पेट जल्दी भर गया और वह वहीं कोने में जाकर सो गया। थोड़ी देर बाद बिल्ली के चीखने की आवाज आई। चूहे ने देखा घर के मालिक ने बिल्ली को जाल में कैद कर दिया है। थोड़ी देर बाद घर का मालिक दूसरे कमरे में चला गया। अब चूहे ने अपने पैने दाँतों से जाल काट दिया। फिर वे दोनों वहाँ से भाग निकले। सच है हमें विपत्ति के समय एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए। ❐

अध्याय 1 कामना

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) प्रस्तुत कविता में सुखकारी शब्द सुनने की कामना की गई है।
   (ख) मन में सभी के सुखी होने की सद्भावना होनी चाहिए।
   (ग) हम प्रभु के पुत्र हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (ii) ✓ (घ) (i) ✓
2. *हम कर्म* कर उत्तम करों से
   मान के भागी *बनें*।
   मन में रहे सद्भावना यह,
   सब सुखी होवें *सदा*।।
3. (क) (ii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (i), (ङ) (iii)
4. (क) हमें अपने कानों से सुखकारी शब्द सुनने चाहिए, आँखों से शांतिमय दृश्य देखना चाहिए, हाथों से ऐसे कार्य करने चाहिए जिससे हम मान के भागी बनें।
   (ख) हमारे मन में सभी के सुखी होने की सद्भावना होनी चाहिए।
   (ग) प्रस्तुत कविता में बच्चे, भगवान से अपने कानों से सुखकारी शब्द सुनने, आँखों को शांतिमय दृश्य देखने, हाथों से मानपूर्ण कार्य करवाने, सभी के लिए सद्भावना रखने, परस्पर एक-दूसरे से प्रेम करने और अपनी शरण में रखने की प्रार्थना कर रहे हैं।

पठित अनुच्छेद

5. (i) बच्चे संसार के स्वामी (भगवान) से प्रार्थना कर रहे हैं।
   (ii) बच्चे ईर्ष्या-द्वेष की बुराई को छोड़ने की प्रार्थना कर रहे हैं।

भाषा विकास

6. (i) हम प्रभु से सभी के लिए अच्छे की कामना करते हैं।
   (ii) आँखों से शांतिमय दृश्य देखना चाहिए।
   (iii) हाथों से ऐसे काम करें, जिससे मान बढ़े।
7. अपने कानों से ठीक सुनो।
   बस कामना है हमारी
   मेरे देश का नाम भारत है।
   अपनी आँखों से देखो।
8. (i) हाथ, पाणि, (ii) आँख, नैन, (iii) हृदय, हिय

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 2 मामा ने दिखाया मेला

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) मेला शब्द बच्चों के लिए रोमांचभरा और जिज्ञासा वाला इसीलिए था, क्योंकि उन्होंने पहले कभी मेला नहीं देखा था।
   (ख) बच्चे मामाजी के साथ मेला देखने इसलिए जाना चाहते थे क्योंकि गाँव में मेला लगा था और उसी समय मामाजी घर आए हुए थे।
   (ग) बच्चों ने मेले में रंग-बिरंगे, खिलौने, मिठाइयाँ, कपड़े, चूड़ियाँ और चाट-समोसे देखें।
   (घ) मेले में मामा जी का व्यवहार बुरा और कंजूसी से भरा लगा।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (ii) ✓
2. (क) रौद्र, (ख) पेट, (ग) जिज्ञासा, (घ) खलनायक
3. (क) ×, (ख)✓, (ग) ✓, (घ) ✓
4. (क) मामा जी ने मेले में न जाने के लिए थके हुए होने का बहाना बनाया।
   (ख) मामा जी ने बाहर का खाना खाने के नुकसान यह बताए कि इनसे दस्त, हैजा, खाँसी, बुखार हो जाते हैं।
   (ग) खाना खाने के बाद बच्चे सर्कस देखने और झूला झूलने जाना चाहते थे।
   (घ) बच्चे खिलौने इसीलिए नहीं खरीद सके क्योंकि मामा जी को लगा कि खिलौने वाला अधिक दाम बताकर उन्हें ठग रहा है।

पठित अनुच्छेद

5. (क) पैर और पेट पैदल चलने से मजबूत होते हैं।
   (ख) बढ़िया चीज खरीदने के लिए मामाजी ने किराए में पैसे न करने का उपाय बताया।

भाषा विकास

6. बुरा, दूर, प्रश्न/मौन, शहर।

7. विद्या, धरती, आकाश, सर्दी (ऋतु)
8. हमें पैसे समझदारी से खर्च करने चाहिए।
   मेले में बहुत सारी दुकानें थीं।

बच्चों के मन में मेला देखने की बहुत जिज्ञासा थी।
सूखा पड़ने पर सारी जमीन बंजर हो गई।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 3 काश, हम बड़े होते!

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) बंटी मीनू के घर खेलने गया।
   (ख) मीनू होमवर्क के अत्याचार से मुक्ति चाहती थी।
   (ग) बच्चे बड़े इसीलिए बनना चाहते थे ताकि वह भी उनकी तरह रौब झाड़ सकें और बड़ा आदेश चला सकें।
   (घ) बंटी भगवान का नाम इसीलिए ले रहा था क्योंकि वह बड़ा बनकर किसी भी जिम्मेदारी को सँभलने में असफल हो रहा था, जिससे वह परेशान हो गया।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) ✓ (ख) (iii) ✓
   (ग) (i) ✓ (घ) (iii) ✓
   (ङ) (i) ✓
2. (क) होमवर्क, (ख) टोका-टाकी, (ग) च्यूइंगम, (घ) अत्याचार, (ङ) कबाड़खाना
3. (क) ×, (ख) ×, (ग) ✓, (घ) ×, (ङ) ✓
4. (क) बंटी मीनू के घर खेलने गया।
   (ख) बंटी और मीनू होमवर्क के अत्याचार और बड़ों की टोका-टाकी से परेशान थे।
   (ग) अगले दिन जब बंटी की आँख खुली तो वह हैरान इसीलिए था, क्योंकि उसने एक बुरा सपना देखा था। उसकी मम्मी छोटी और उसने बड़ा हो गया था।
   (घ) बड़े होकर बंटी और मीनू को बहुत परेशानियाँ हुई, वह सबके लिए खाना नहीं बना पाये, सभी बड़ों की वह चिक-चिक और रोना-धोना नहीं झेल पा रहे थे।

पठित अनुच्छेद

5. (क) बारिस में बंटी गलियों में हवाई जहाज बनाकर उड़ाता था।
   (ख) बंटी भगवान से पहले जैसा बना देने की प्रार्थना करता है।

भाषा विकास

6. आफत: बंटी और मीनू के बड़े होने पर उन्हें कई आफत आई।
   होमवर्क: मीनू ने अपना होमवर्क पूरा कर लिया।
   शुक्रिया: बंटी ने मीनू को उसकी मदद करने पर शुक्रिया कहा।
   मुक्ति: मीनू अपने होमवर्क के अत्याचार से मुक्ति पाना चाहती थी।
   बाजार: मम्मी बाजार से बहुत सारे खिलौने लाई।
7. ईश्वर, आदित्य, आजादी, अतिथि, भरोसा, हुक्म
8. चाची, दादी, बच्चा, पापा

करके देखिए

- यदि मैं बंटी और मीनू की जगह होता, तो मैं भी उन्हीं की तरह टोका-टाकी से तंग आकर बड़ा बन जाने की सोचता लेकिन पाठ को पढ़कर मुझे समझ आया, कि बड़ों की बहुत जिम्मेदारियाँ होती हैं, वो हमें हमारे अच्छे के लिए और अनुशासन में रहने के लिए ही डाँटते हैं।
- प्रस्तुत पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी बड़ों की डाँट का बुरा नहीं मानना चाहिए, वह हमारे अच्छे और अनुशासित जीवन बनाये रखने के लिए ही डाँटते हैं, बड़ों के ऊपर बहुत सारी जिम्मेदारियाँ होती हैं, इसीलिए हमें, उन्हें तंग नहीं करना चाहिए बल्कि उनके छोटे-छोटे कामों में मदद करनी चाहिए।

अध्याय 4 डाकू बना संत

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) कौशल राज्य की राजधानी का नाम श्रावस्ती था।
   (ख) कौशल के महाराज महात्मा बुद्ध के भक्त थे।
   (ग) अंगुलिमाल एक डाकू था।
   (घ) अंगुलिमाल लोगों की हत्या कर उनकी अंगुली काटकर अपनी माला में पिरो लेता था।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) ✓ (ख) (i) ✓
2. (क) महात्मा बुद्ध, (ख) अज्ञानवश, (ग) प्रसेनजित, (घ) निर्दयतापूर्वक
3. (क) ×, (ख) ✓, (ख) ✓, (ग) ✓
4. (क) महाराज प्रसेनजित ने महात्मा बुद्ध को अपनी चिंता का कारण बताया कि राज्य में एक अंगुलिमाल

नाम का डाकू है जो लोगों की हत्या कर देता है।

(ख) इस कथन से महात्मा बुद्ध अंगुलिमाल को यह कहना चाहते थे, कि उसके रोकने पर वह तो रुक गये पर डाकू अंगुलिमाल अपने इन अत्याचारों को कब रोकेगा।

(ग) अंगुलिमाल के जीवन में परिवर्तन महात्मा बुद्ध के प्रेम और करूणा से भरे उपदेश से आया।

(घ) अंगुलिमाल पर महात्मा बुद्ध के व्यक्तित्व और उनके शब्दों का गहरा प्रभाव हुआ। उसने सभी पापपूर्ण कार्य छोड़कर उनका शिष्य बनने का फैसला किया।

अपठित अनुच्छेद

5. (क) महात्मा बुद्ध अंगुलिमाल को उपदेश कर रहे हैं।

(ख) महात्मा बुद्ध के अनुसार जीवन दु:खों से भरा है।

भाषा विकास

6. क्रूर + ता
   प्रेम + ई
   पवित्र + ता
   उदार + ता
   साहस + ई
   निर्दय + ता + पूर्वक
7. शब्दों, अंगुलियाँ, आँखें, मालाएँ, चरणों, झाड़ियाँ
8. अंगुलिमाल — भगवान बुद्ध
   डाकू — लुटेरे
   दयालुता — क्रूरता
9. अचिंतित, अपवित्र, अकर्म, असंत, अकारण, अज्ञान

क्रियाकलाप

- शिक्षक महोदय की सहायता से छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 5 हमारा प्यारा गाँव

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) गाँव के लोगों के संबंध में कवि ने चाचा और ताऊ कहकर अपनापन प्रकट किया है।

(ख) नीम के बूढ़ा होने का कवि ने प्रमाण दिया कि वह उनके पिताजी की यादों से भी पहले का खड़ा हुआ है।

(ग) गाँव के नीम के प्रति कवि ने बताया कि उन्होंने इसी की जड़ों पर बैठकर पढ़ना सीखा है और यह उनके पिताजी के वक्त से भी पहले का खड़ा है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (i) ✓

(ग) (iii) ✓

2. (क) *झूमते हैं* बाग, उपवन, खेत प्यारे
   घर-सुघर गोबर लिपे *आँगना सँवारे*।
   सरल, सीधे और सच्चे लोग सारे,
   सभी चाचा और ताऊ हैं *हमारे*।

(ख) *उधर वृक्षों* से घिरा पोखर सुहाना
भर दुपहरी नित जहाँ डुबकी *लगाना*।
आज भी अच्छी तरह हैं, याद वे दिन।
कागजों की किश्तियाँ घंटों *चलाना*।

3. (क) (ii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (i), (ङ) (iii)
4. (क) गाँव की गलियों और गलियारों की विशेषता है कि वह संकरे और टेढ़े हैं।

(ख) "उफ़नती ज़िदगी" से कवि का तात्पर्य जवानी से है और पागल अखाड़े से तात्पर्य अखाड़े में लड़ते पहलवालों से है।

(ग) पोखर के साथ कवि ने अपनी स्मृतियों को इस तरह दोहराया कि वह वहाँ दुपहरी में नहाने और कागज की किश्तियाँ चलाने जाते थे।

(घ) गाँव में कवि सभी गाँववासी को चाचा-ताऊ कहता है। नीम के पेड़ पर अपना पढ़ना याद करता है, गाँव की गलियाँ जिनमें वह आपसी झगड़े किया करता था। वह पोखर की पास के शिव मंदिर को याद करता है।

पठित अनुच्छेद

5. (क) पोखर के आस-पास वृक्ष हैं।

(ख) पोखर में जब कवि भरी दोपहर में डुबकी लगाता था और नाव चलाता था। उस समय के बचपन के दिन कवि को याद हैं।

भाषा विकास

6. सुगंध, सुगम, सुविचार, सुमति, सुयश, सुबुद्धि
7. मेघ, पेड़, निकेतन, बगीचा
8. दूर, धूप, जवान, शहर, बुरा, कठिन
9. (क) जड़, पढ़ना, बैठना
   (ख) बादल, घिरना, बुआना
   (ग) कागज, चलाना
   (घ) दुपहरी, डुबकी लगाना

क्रियाकलाप

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 6 थॉमस एल्वा एडीसन

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) एडीसन का पूरा नाम "थॉमस एल्वा एडिसन था।
   (ख) एडीसन बचपन में नटखट थे, और कुछ न कुछ शरारत करते ही रहते थे।
   (ग) एडीसन के खोजे हुए आविष्कारों के नाम हैं– तार, यूनीवर्सल प्रिंटर, बिजली के लट्टू, रेडियो, सिनेमा, लाउडस्पीकर इत्यादि।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) ✓ (ख) (i) ✓
   (ग) (i) ✓ (स) (i) ✓
2. (क) कारखाना, (ख) एडीसन, (ग) स्टेशन मास्टर, (घ) त्रुटि, (ङ) फास्फोरस
3. (क) ×, (ख) ✓, (ग)×, (घ) ✓, (ङ) ✓
4. (क) एल्वा एडीसन का जन्म 11 फरवरी 1847 ई. में ओहायो राज्य के मिलान नगर में हुआ था।
   (ख) बचपन में एडीसन नटखट व शरारती थे।
   (ग) स्टेशन मास्टर ने एडीसन को तार-बाबू की नौकरी इसलिए दिलवाई, क्योंकि उन्होंने स्टेशन-मास्टर के बच्चे को कुचले जाने से बचा लिया।
   (घ) एडीसन को "वैज्ञानिक जादूगर" इसलिए कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने विज्ञान जगत में कई आविष्कार किये।

पठित अनुच्छेद

5. (क) वैज्ञानिक जादूगर थॉमस एल्वा एडीसन को कहा जाता है।
   (ख) थॉमस एल्वा एडीसन के प्रमुख अविष्कार हैं– तार, बिजली के लट्टू, रेडियो, सिनेमा आदि।

भाषा विकास

6. दैविक, वैज्ञानिक, ऐतिहासिक
7. यंत्र: एडिसन ने एक "यूनिवर्सल प्रिंटर" नामक यंत्र बनाया।
   राशि: सभी मनुष्यों की उनके नाम की राशि होती है।
   स्वभाव: एडिसन बचपन में नटखट स्वभाव के थे।
   निर्वाह: लोग मेहनत करके अपने जीवन का निर्वाह करते हैं।
   त्रुटि: हमें अपने जीवन में त्रुटियों से बचना चाहिए।
8. कम, दु:खी, बुढ़ापा, मरण, शत्रु, खरीदना।
9. क्या हम भी वैज्ञानिक बन सकते हैं?
   हाँ, अवश्य।
   वैज्ञानिक वही बन सकता है, जो विचारशील हो।
   वैज्ञानिक प्रत्येक वस्तु को ध्यान से देखता है।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 7 अच्छी आदतें

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) शरीर की तुलना मशीन से की गई है।
   (ख) देर रात तक टेलीविजन देखने से स्वास्थ्य और आँखें खराब होती हैं।
   (ग) बाजार से लाये फलों को साफ पानी से अच्छी तरह धो कर खाना चाहिए।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (iii) ✓
2. (क) उठना, (ख) स्वास्थ्य, (ग) व्यायाम, (घ) ठीक, (ङ) शरीर
3. (क) ×, (ख) ×, (ग) ✓, (घ) ✓, (ङ) ✓
4. (क) शरीर के सारे अंग ठीक से काम करें, इसके लिए हमें शरीर की अच्छे से देखभाल करनी चाहिए।
   (ख) अच्छे स्वास्थ्य के लिए हमें शरीर को साफ रखना चाहिए, सुबह जल्दी उठकर शौच, दातुन, स्नान करना चाहिए। सुबह थोड़ा व्यायाम करना चाहिए और पौष्टिक आहार लेना चाहिए।
   (ग) हमें बाजार की चीजें इसीलिए नहीं खानी चाहिए क्योंकि ये सभी चीजें खुले में रहती हैं, जिन्हें मक्खियाँ दूषित कर देती हैं, जिन्हें खाने से हम बीमार पड़ सकते हैं।

पठित अनुच्छेद

5. (क) हमें अच्छी आदतें शरीर की अच्छी देखभाल के लिए अपनानी चाहिए।
   (ख) स्वस्थ रहने के लिए शरीर की देखभाल करना आवश्यक है।

भाषा विकास

6. दूषित, स्वस्थ, स्वास्थ्य, टेलीविज़न।
7. बासी, स्वच्छ, गंदा, अस्वस्थ, कमजोर, लाभदायक।
8. आँखें, पकौड़ियाँ, आदतें, बीमारियाँ, हिस्से, मक्खियाँ।

करके देखिए

- ✓, ✓, ×, ✓, ×, ×, ✓, ✓, ×
- यदि हम स्वस्थ नहीं रहेंगे, तो हमारा शरीर फुर्तीला नहीं रह सकता। हमारे शरीर में कई प्रकार की बीमारियाँ हो सकती हैं, जिससे हमारी पढ़ाई पर भी बुरा असर पड़ेगा। इसलिए हमें शरीर के लिए अच्छी आदतों को अपनाकर स्वस्थ रखना चाहिए।
- छात्र स्वयं करें।

अध्याय 8 — कदंब का पेड़

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) बच्चा कन्हैया बनने की बात कह रहा है।
   (ख) माँ बच्चे को खिलौने, मिठाई, माखन-मिसरी, दूध-मलाई देने की बात कहती है।
   (ग) माँ का हृदय विकल हो जाता है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (i) ✓
2. (क) *तुम्हें नहीं* कुछ कहता पर मैं चुपके-चुपके आता,
   उस नीची डाली से अम्मा, ऊँचें पर *चढ़ जाता*।
   वहीं बैठ फिर बड़े, मजे से मैं बाँसुरी बजाता,
   अम्मा-अम्मा कह वंशी के स्वर में *तुम्हें* बुलाता।
   (ख) *तुम आँचल* पसारकर अम्मा, वहीं पेड़ के नीचे
   ईश्वर से कुछ विनती करती, बैठी *आँखें मीचे*।
   तुम्हें ध्यान में लगा देख मैं धीरे-धीरे आता,
   और तुम्हारे फैले आँचल के नीचे *छिप जाता*।
3. (क) (ii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (i), (ङ) (iii)
4. (क) बच्चा यमुना किनारे कदंब के पेड़ पर बैठकर कन्हैया बनने की बात कर रहा है।
   (ख) बच्चा अपनी माँ को बुला रहा है, क्योंकि वह उनके साथ थोड़ी शरारत करके उनके आँचल में छुपना चाहता है।
   (ग) प्रस्तुत कविता में बच्चा कल्पना कर रहा है कि वह यमुना किनारे कदंब के पेड़ पर बंशी बजाता और उस बाँसुरी की धुन से माँ को बुलाता। माँ के आने पर छुप जाता फिर माँ के कई बार कहने पर वह माँ के पास नीचे उतरकर आता।

पठित अनुच्छेद

5. (क) बालक के पेड़ से नीचे न उतरकर आने से माँ व्याकुल हो जाती है।
   (ख) बालक कदंब के पत्तों में छिपने की बात कह रहा है।

भाषा विकास

6. गोदी: माँ की गोदी में दुनिया का हर सुख प्राप्त होता है।
   आँचल: बच्चा माँ के बुलाने पर उनके आँचल में आकर छिप गया।
   पेड़: यमुना के किनारे कदंब का पेड़ है।
   अम्मा: राम ने अपनी अम्मा के लिए एक साड़ी खरीदी।
   खुश: साड़ी पाकर अम्मा बहुत खुश हुई।
7. बाँसुरी, स्वर, हृदय, विनती, विकल, डाली
8. कह + कर = कहकर
   हँस + कर = हँसकर
   छिप + कर = छिपकर
   बैठ + कर = बैठकर
   पसार + कर = पसारकर
   घबरा + कर = घबराकर
9. माँ का हृदय विकल हो जाता है।
   मैं हँसकर सबसे ऊपर की टहनी पर चढ़ जाता।
   मुझे देखने काम छोड़कर बाहर तक तुम आती।

करके देखिए

- "मेरी माँ" यह शब्द ऐसा है जिसमें मेरी दुनिया बसी है। माँ मेरे जीवन को बहुत सारी खुशियाँ देती हैं, वो मेरा हर वक्त ख्याल रखती हैं, मेरे थोड़ा सा इधर-उधर हो जाने पर वह व्याकुल हो जाती है और मिलने पर ऐसे खुश होती हैं, जैसे उन्हें कोई अनमोल चीज मिल गई। वह मुझे कभी तकलीफ में नहीं देख सकती, मेरे बोले बिना ही मेरे मन की हर बात जान जाती हैं। "मेरी माँ" के बिना मेरा जीवन अधूरा है। मैं उनसे बहुत प्यार करता/करती हूँ।

अध्याय 9 — चन्द्रमा की सैर

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) चाँद पृथ्वी से अंतरिक्ष में दो लाख मील दूर है।
   (ख) बच्चों को दादा जी ने चाँद की सैर पुस्तक दी।

(ग) अंतरिक्ष में यात्री शक्तिदायक पौष्टिक गोलियाँ खाते हैं।

(घ) चाँद की जमीन पर पहला कदम नील आर्मस्ट्राँग ने रखा।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (iii) ✓
2. (क) पृथ्वी, (ख) गुरुत्वाकर्षण, (ग) अंतरिक्ष, (घ) आवाज़, (ङ) आकृतियाँ
3. (क) ✓, (ख) ×, (ग) ✓, (घ) ✓, (ङ) ✓
4. (क) चाँद पर पृथ्वी की तरह पेड़-पौधे, पशु-पक्षी इसलिए नहीं हैं, क्योंकि वहाँ हवा नहीं है।

   (ख) चाँद पर सबसे पहले नील आर्मस्ट्राँग, 21 जुलाई 1969 को पहुँचे।

   (ग) चाँद से पृथ्वी को देखने पर यात्री खुश इसलिए हुए क्योंकि वहाँ से पृथ्वी बहुत सुंदर दिखाई दे रही थी।

   (घ) चाँद पर पहुँचना पूरी मानव जाति के लिए गर्व की बात है, क्योंकि चाँद पर न हवा है न जीवन फिर भी मानव ने वहाँ पहुँचकर चाँद का परीक्षण किया।

   (ङ) चाँद पर पहुँचकर दोनों यात्रियों ने वहाँ उतर कर भ्रमण किया और नीचे पृथ्वी को देखा।

पठित अनुच्छेद

5. (क) चाँद पर पहला कदम नील आर्मस्ट्रांग ने सन् 1969 को रखा।

   (ख) अंतरिक्षयान में कुल तीन यात्री चाँद पर गये।

भाषा विकास

6. चुंबकीय, चाँद, आनंद, अंतरिक्ष, कुआँ, कंकड़, पंद्रह, पहुँचा
7. विशेष, उजाला, विज्ञान
8. शक्तिशाली, असुविधा, धरती, ज्यादा, उजाला, अँधेरा, पराजय, जीना, कठिन, साधारण
9. (क) अधिक, (ख) बहुत, (ग) बहुत, (घ) कुछ

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 10 राजस्थान की सैर

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) लेखिका की जन्मभूमि का नाम राजस्थान का सिरोही जिला है।

   (ख) राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू है।

   (ग) रेगिस्तान के जयपुर शहर को पिंक-सिटी के नाम से जाना जाता है।

   (घ) रेगिस्तान का जहाज़ ऊँट को कहा जाता है।

   (ङ) उदयपुर में झीलों के बीच बने महल को जलमहल के नाम से जाना जाता है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) ✓ (ख) (i) ✓
   (ग) (ii) ✓ (घ) (iii) ✓
2. (क) पुष्कर, (ख) सुंदर, (ग) खूबसूरती, (घ) राजस्थान
3. (क) (iii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (ii), (ङ) (i)
4. (क) राजस्थान यहाँ के वीर राजाओं व ऐतिहासिक इमारतों, महलों व वहाँ के पहनावे के लिए प्रसिद्ध है।

   (ख) राणा कुंभा का बनवाया किला चित्तौड़ में है, इस किले का नाम चित्तोड़गढ़ का किला और स्तम्भ का नाम विजय स्तंभ है।

   (ग) भरतपुर पक्षी अभयारण्य के लिए प्रसिद्ध है।

   (घ) राजस्थान की प्रमुख कलाएँ–नृत्य कला, संगीत कला एवं पच्चीकारी हैं।

पठित अनुच्छेद

5. (क) विजय स्तंभ राणा कुंभा ने बनवाया। यह चित्तौड़ में स्थित है।

   (ख) भरतपुर अपने प्राचीन किले के साथ-साथ पक्षी अभयारण के लिए विश्वप्रसिद्ध है।

भाषा विकास

6. प्रदेश, प्रताप, प्रमुख, प्रसिद्ध
7. ऐतिहासिक: राजस्थान में कई ऐतिहासिक इमारतें हैं।
   अनोखी: रानी ने आज एक अनोखी बात कही।
   त्याग: त्याग से ही लोग महान बनते हैं।
   दर्शनीय: राजस्थान के मंदिर दर्शनीय-स्थल हैं।
   स्वस्थ: हमें पौष्टिक भोजन स्वस्थ रखता है।
8. झीलें, महलों, हिंदुओं, पर्वतों, योजनाएँ, महाराजाओं
9. वीर + ता = वीरता
   नीरव + ता = नीरवता
   मानव + ता = मानवता
   बाध्य + ता = बाध्यता

कठोर	+	ता	=	कठोरता	जायके	+	दार	=	जायकेदार
गद्दी	+	दार	=	गद्दीदार	रौब	+	दार	=	रौबदार
मलाई	+	दार	=	मलाईदार					
मजे	+	दार	=	मजेदार					

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।
- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 11 होली आई, होली आई

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) होली खेतों में सोना लाई।
   (ख) जंगल में टेसू फूल गया।
   (ग) सुखदाई चंदा और सूरज हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (i) ✓ (घ) (i) ✓
2. खेतों में लाई है सोना,
   चमक उठा, उसका हर कोना।
   सरसों फूली, गेहूँ लहका,
   अमराई का आँगन महका।
   हवा नई होकर लहराई,
   होली आई, होली आई।
3. (क) (iv), (ख) (iii), (ग) (v), (घ) (i), (ङ) (ii)
4. (क) बसंत ऋतु में खेत हरे-भरे हो जाते हैं।
   (ख) होली लोगों के बीच भाईचारे का भाव उत्पन्न करने के लिए मनाई जाती है।
   (ग) होली का त्योहार एक-दूसरे को गुलाल-रंग लगाकर और मिठाई खिलाकर मनाया जाता है।
   (घ) होली में गाने वाले गीत को रसिया कहा जाता है।
   (ङ) होली का त्योहार अपने साथ नफरत भुलाकर प्रेम से रहने का संदेश लेकर आता है।

पठित अनुच्छेद

5. (क) 'खेतो में लाई है सोना' पंक्ति का आशय है— खेतों की फसलें पक गई हैं।
   (ख) अमराई का आँगन महकने का तात्पर्य है कि पेड़ों में बौंर आ गए हैं।

भाषा विकास

6. | | | |
   |---|---|---|
   | मंगल | दंगल | कंगन |
   | चहका | लहका | दहका |
   | चोली | बोली | रोली |
   | चली | टली | फली |
   | शूल | भूल | मूल |
7. अमराई: होली के त्योहार से अमराई का आँगन महक गया।
   बंजर: सूखा पड़ने से खेत बंजर हो गये।
   दुनिया: दुनिया में सभी तरह के मनुष्य हैं।
   बहार: बसंत ऋतु के आने से बहार आ गई।
8. | | | | |
   |---|---|---|---|
   | हवा | – | पवन | वायु |
   | कोयल | – | पिक | बसंत दूत |
   | जंगल | – | वन | अरण्य |
   | साल | – | वर्ष | अब्दि |
   | जमीन | – | धरती | भूमि |
   | ज्ञान | – | विद्या | समझ |

करके देखिए

- होली का त्योहार फागुन मास में मनाया जाता है। इस त्योहार को मनाने के पीछे का कारण हिरणयकश्यप, प्रह्लाद और होलिका की कहानी को बताया जाता है। होली दो दिन की होती है, जिसमें हम बाल और चने भूनकर खाते और खिलाते हैं। दूसरे दिन धूलेड़ी होली मनाई जाती है। इस दिन सभी एक-दूसरे को गुलाल लगाते हैं, मिठाई खिलाते हैं, और गले मिलते हैं। होली का त्योहार पाप पर पुण्य की विजय का प्रतीक है।

अध्याय 12 बच्चों की दुनिया

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) योगिता छुट्टियों में चित्रकला सीख रही थी।
   (ख) बच्चों ने अपने हाथों से गणेश जी की मूर्ति बनाई।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (iii) ✓ (ग) (iii) ✓
2. (क) त्योहार, (ख) मुश्किल, (ग) गणेश, (घ) चित्रकला, हस्तकला।
3. (क) (iv), (ख) (iii), (ग) (i), (घ) (ii)
4. (क) योगिता अपनी दीदी से बालभवन के बारे में जानना चाहती थी।
   (ख) गणेश उत्सव पर बच्चे मिट्टी की एक गोल गेंद बनाते हैं, और उस पर एक सूँड़ चिपका देते हैं।

(ग) दीपावली पर बच्चे दीये रँगते, रंगोली बनाते, ग्रीटिंग कार्ड बनाते और मोमबत्ती बनाते हैं।

(घ) हर साल हर त्योहार बच्चों के लिए नई गतिविधियाँ लेकर आता है जिसके लिए बच्चे बहुत उत्साहित रहते हैं।

पठित अनुच्छेद

5. (क) बच्चे पानी में भीगकर, कीचड़ में लतपथ होकर एक-दूसरे के कंधों में खड़े होकर मटकी फोड़ते हैं।
(ख) दीपावली पर बच्चे दीपों को रँगना, रंगोली बनाना, ग्रीटिंग बनाना, रंगोली, मोमबत्ती आदि बनाने का कार्य करते हैं।

भाषा विकास

6. चिट्ठी खट्टा
गत्य कृत्य
स्वाहा स्वाधीन
कच्चा सच्चा

7. त्योहार: भारत वर्ष में अनेक प्रकार के त्योहार मनाये जाते हैं।
प्रतिभा: बच्चों में कई प्रतिभा छुपी होती है।
जिज्ञासु: बच्चे नई गतिविधियों के लिए जिज्ञासु रहते हैं।
उत्सव: भारत उत्सवों का देश है।

8. मूर्तियाँ, प्रतिमाएँ, बच्चे, गतिविधियाँ, त्योहारों, कंधे, मटकियाँ, छुट्टियाँ।

9. विनायक, चित्र, उत्सव, मूर्ति, खुशी।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।
- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 13 लक्ष्य

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) लक्ष्य हमेशा बड़ा होना चाहिए।
(ख) कर्तव्य पथ पर चलने पर हमें मंजिल मिलती है।
(ग) हमें दौलत के लालच में पड़कर गलत रास्ते में नहीं फँसना चाहिए।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (i) ✓
(ग) (ii) ✓
2. *दौलत* के लालच में न फँसना तुम,
गलत राह पर न *मुड़ना तुम*।
छू लोगे एक दिन पर्वत शिखर को भी,
गर पर्वत के सीने पर *चढ़े चलो*।
लक्ष्य हमेशा बड़े रखो।।
3. (क) (ii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (i), (ङ) (iii)
4. (क) बाधाएँ आने पर हमें उनका डटकर मुकाबला करना चाहिए।
(ख) कर्तव्य पथ पर चलते रहने से हमें मंजिल मिलती है।
(ग) पर्वत के सीने पर लक्ष्य दृढ़ रखते हुए हम पर्वत शिखर को छू सकते हैं।

पठित अनुच्छेद

5. (क) हमें अपना लक्ष्य बड़ा रखना चाहिए।
(ख) लक्ष्य प्राप्ति के लिए बाधाओं से लड़ना पड़ता है।

भाषा विकास

6. लालच: लालच बुरी बला है।
पर्वत: पर्वत बहुत ऊँचे होते हैं
बाधा: लक्ष्य प्राप्त करने में कई बाधाएँ आती हैं।
लक्ष्य: लक्ष्य हमेशा बड़ा होना चाहिए।
तकदीर: अपनी तकदीर खुद बनानी चाहिए।
7. लक्ष्य, भाग्य, निर्धन, संभावना, रुकावट, मंजिल, शिखर, रास्ता, हर वक्त, धनवान।
8. दौलत, पर्वत, तकदीर, गरीब, मंजिल, शिखर।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 14 परख

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) आचार्य ने राजा से एक सहायक की माँग की।
(ख) नवयुवकों को रसायन तीन दिन में बनाने के लिए कहा गया।
(ग) आचार्य ने उसे अपना सहायक बनाया, जो रसायन बनाकर नहीं लाया था, और उस बीमार व्यक्ति की सेवा में लगा हुआ था।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (ii) ✓
(ग) (ii) ✓ (ग) (ii) ✓
2. (क) नागार्जुन, (ख) चिकित्सा, (ग) रसायनशास्त्री, (घ) असाध्य।
3. (क) ×, (ख) ✓, (ग) ×, (घ) ×, (ङ) ✓
4. (क) नागार्जन एक रसायनशास्त्री थे, उन्होंने राजा से एक सहायक की माँ की।

(ख) नागार्जुन ने युवकों को एक-एक पदार्थ देकर उनका कोई रसायन बनाकर लाने के लिए कहा।

(ग) दूसरा युवक रसायन इसलिए नहीं बना पाया, क्योंकि वह रात भर उस बीमार व्यक्ति की सेवा में लगा रहा।

(घ) नागार्जुन ने दूसरे युवक को अपना सहायक इसलिए बनाया क्योंकि उसमें दूसरों की सेवा करने का भाव था।

पठित अनुच्छेद

5. (क) चिकित्सा के लिए पढ़े-लिखे होने के साथ-साथ मानव-सेवा का गुण होना अनिवार्य योग्यता मानी गई है।
(ख) जो युवक मानव-सेवा नहीं कर सका वह नागार्जुन के काम का नहीं था।

भाषा विकास

6. राज + मार्ग
आज्ञा + अनुसार
प्रयोग + शाला
इच्छा + अनुसार
7. चिकित्सा, मनुष्य, चक्कर, प्राचीन, मुलाकत, राजमार्ग।
8. नूतन, असहायक, साध्य, अनिश्चित, खुश, निर्दोष, प्रश्न, अयोग्य।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 15 कला का सम्मान

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) मनोहर मूर्तिकार था।
(ख) मनोहर ललिता को खिलौने इसलिए नहीं बनाना सिखाता था, क्योंकि वह सोचता था कि लड़कियाँ मिट्टी को हाथ नहीं लगाती।
(ग) बाज़ार में बड़े खिलौने दस रुपए में मिलते थे।
(घ) अंत में मनोहर ने ललिता को मूर्तियाँ बनाना सिखाने का निर्णय लिया।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (ii) ✓
(ग) (iii) ✓
2. बैलगाड़ी, ललिता, लड़कियाँ, औरतों, खिलौने।
3. (क) ✓, (ख) ×, (ग) ✓, (घ) ×, (ङ) ✓, (च) ×
4. (क) मनोहर अपने बेटे बबुआ को खिलौने बनाना सिखाना चाहता था, क्योंकि वह बड़ा होकर उसी के साथ रहकर मूर्तियाँ बनाने में मदद करता।
(ख) ललिता चार दिन तक स्कूल इसीलिए नहीं गई, क्योंकि उसके पिता बीमार थे और वह खिलौने बना रही थी।
(ग) टीचर ने खिलौने बिकवाने का उपाय बताया, कि वह स्कूल के मेले में बाजार से कम दाम में खिलौने बेचेंगे।
(घ) अस्पताल से लौटने पर मनोहर को पता चला कि ललिता ने सारे खिलौने बनाकर अच्छे दाम में बेच दिये।
(ङ) बड़े साहब ने ललिता को उसके खिलौने देखकर पुरस्कार दिया और वज़ीफा देने के लिए भी कहा।

पठित अनुच्छेद

5. (क) पद्यांश में बेटा-बेटी को समान बताया गया है।
(ख) कला का अपमान न करने की बात कही गई है।

भाषा विकास

6. नुमाइश, डॉक्टर, खिलौने, मूर्ति, व्यापारी, पुरस्कार
7. खाँसी: ठंड लगने से राहुल को खाँसी हो गई।
बैलगाड़ी: बैलगाड़ी गाँव में चलाई जाती है।
मूर्तियाँ: मूर्तिकार सुन्दर मूर्तियाँ बनाता है।
नुमाइश: गाँव में हर साल नुमाइश लगती है।
मिट्टी: मिट्टी से खिलौने व मूर्ति बनाई जाती हैं।
8. बाजारें, बैलगाड़ियाँ, लड़कियाँ, खिलौने, औरतें, मूर्तियाँ।

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।
- आधुनिक काल में पुरुष और स्त्रियाँ समान ही नहीं हैं बल्कि अब हर क्षेत्र में लड़कियाँ लड़कों से ज्यादा आगे बढ़ रही हैं। जहाँ पहले लड़कियों का कार्यक्षेत्र में प्रतिशत कम होता था अब वहीं लड़कियों का प्रतिशत दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। लड़कियाँ अधिक शिक्षित हो रही हैं, और समाज को एक नई दिशा प्रदान कर रही हैं। अभी तक कई महान स्त्रियों ने पूरे भारत वर्ष की सूरत बदली है, और समाज को नये-नये उदाहरण दिये हैं। जैसे—रानी लक्ष्मी बाई, मदर टेरेसा, कल्पना चावला, निर्मला सीतारमण, सुनीता विलियम्स आदि।

अध्याय 16 बरगद दादा

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) लड़का बरगद के पेड़ पर इसलिए हँसा, क्योंकि वह पेड़ खुद बड़ा था मगर उसके फूल और फल छोटे थे।
   (ख) लड़का हड़बड़ाकर इसलिए उठा क्योंकि मुँह पर दो छोटे फल आकर गिर गये।
   (ग) गाँव के लोग गरमियों में पेड़ की छाँव में रुककर आराम करते थे।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (ii) ✓
2. (क) शीघ्र, (ख) प्रकृति, (ग) वृक्ष, (घ) गड़रिए
3. (क) ×, (ख) ✓, (ग) ×, (घ) ✓, (ङ) ✓
4. (क) बरगद की शाखाओं से दाढ़ी निकलकर धरती तक आ रही थी।
   (ख) पेड़ के आसपास पड़ी सूखी पत्तियों को केंचुए खाते हैं जिससे मिट्टी को हवा मिलती है जिससे जड़ें मजबूत रहती हैं।
   (ग) जब गड़रिया लड़का सो रहा था, तब वृक्ष से दो छोटे फल आकर उसके मुँह पर गिरे।
   (घ) वृक्ष ने लड़के को समझाया कि प्रकृति ने बहुत सुन्दर ढंग से अपना काम किया है, हम सभी एक–दूसरे के ऊपर निर्भर हैं।

पठित अनुच्छेद

5. (क) पेड़–पौधे और जीव–जन्तु एक–दूसरे के बिना जीवित नहीं रह सकते।
   (ख) केंचुए मिट्टी खाकर उसे पोला कर देते हैं। जिससे पौधों को हवा मिलती है। इसलिए मिट्टी के लिए लाभदायक हैं।

भाषा विकास

6. विराट, विनम्र, विचित्र।
7. क्रोध, आग्रह, नम्रता, प्रकृति, निर्भर, शीघ्र, सर्र, प्राणी।
8.

वृक्ष	विशाल	हँसने
हवा	शीतल	बह
फल	छोटे–छोटे	देख
इल्लियाँ, पत्ते	हरे	खाती

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

अध्याय 17 पटाखों से तौबा

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) तीनों मित्र पटाखे खरीदने की योजना बना रहे थे।
   (ख) ओजोन परत में पड़े छेद प्रदूषित धुएँ से खुल पायेंगे।
   (ग) प्रकृति ने पृथ्वी पर ओजोन परत का छाता ताना हुआ है।
   (घ) पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी पर ओजोन परत आने से रोकती है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (iii) ✓
   (ग) (ii) ✓ (घ) (i) ✓
2. (क) (ii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (i), (ङ) (iii)
3. (क) पराबैंगनी, (ख) जिंदगी, (ग) फुलझड़ियाँ, छतरी, (घ) मध्यावकाश
4. (क) पटाखे पोटेशियम क्लोरेट और गंधक को मिलाकर बनाए जाते हैं, उन्हें जलाने पर विषैली गैसें निकलती हैं।
   (ख) पटाखों से निकलने वाली रासायनिक गैसें और धुएँ ओजोन परत में छेद करते हैं, और बीमारियाँ उत्पन्न करते हैं।
   (ग) पटाखों के धुएँ से श्वास रोग, क्षय रोग, हृदयरोग और बहरे होने की बीमारियाँ होती हैं।
   (घ) विद्यार्थियों ने अंत में गरीब बच्चों को मिठाई और खिलौने बाँटकर दीपावली मनाने का निश्चय किया।

भाषा विकास

5. जिंदगी: जिंदगी में कभी किसी काम को कल पर नहीं टालना चाहिए।
   पटाखे: पटाखे पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं।
   मध्यावकाश: मध्यावकाश में हम भोजन करते हैं।
   विज्ञान: विज्ञान ने बहुत तरक्की की है।
   हानिकारक: पटाखों से निकलने वाली गैसें हानिकारक होती है।
6. विश्वास, विशाल, विकास
   प्रयोग, प्रदूषित, प्रकृति
7.

भानु	भास्कर
दिल	अंत:करण
पवन	हवा
धरा	भू

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें। ❐

अध्याय 1 मेरी प्यारी मातृभूमि

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) गंगा, यमुना, नर्मदा, ताप्ती, रेवा आदि।
   (ख) प्रस्तुत कविता का मूल भाव भारत वर्ष के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन करना है।
   (ग) जग को दीया दिखाने का काम गौतम बुद्ध ने किया।
   (घ) वंशी श्रीकृष्ण ने बजाई।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (iii) ✓ (घ) (iii) ✓
2. *जन्मे जहाँ थे* रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता,
   श्रीकृष्ण ने सुनाई वंशी, पुनीत *गीता*।
   गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया,
   जग को दया दिखाई, जग को दीया *दिखाया*।
3. (क) (i), (ख) (iv), (ग) (iii), (घ) (ii)
4. (क) कविता में भारत का प्राकृतिक वातावरण सुन्दर और संपन्न बताया है।
   (ख) भारत भूमि को जन्मभूमि, मातृभूमि, पुण्य भूमि और स्वर्ण भूमि के रूपों में संबोधित किया है।
   (ग) कवि ने हिमालय को आकाश को छूने वाला अर्थात् बहुत ऊँचा बताया है जिसके चरणों को सागर छूता है।
   (घ) भारत भूमि में भगवान राम, कृष्ण, महावीर एवं गौतम बुद्ध आदि महापुरुषों ने जन्म लेकर हमारा गौरव बढ़ाया है।

पठित अनुच्छेद

5. (क) पद्यांश में आए तीन महापुरूषों के नाम हैं– श्रीराम, श्रीकृष्ण और महात्मा बुद्ध।
   (ख) भारत का यश भारतभूमि में जन्म लेने वाले महापुरूषों ने बढ़ाया है।

भाषा विकास

	विशेषण	विशेष्य
1.	पुनीत	गीता
	नई	छटाएँ
	पवित्र	यमुना
	मस्त	झाड़ियाँ
	ऊँचा	हिमालय
2.	पवन	वायु
	सागर	जलधि
	पर्वत	गिरि
	धरती	भू

3.	तल	नल	कल
	महक	दहक	लहक
	तन	वन	रन
	सीता	नीता	चीता

4. **पवित्र :** हरिद्वार एक **पवित्र** तीर्थ है।
   जन्मभूमि : भारत मेरी **जन्मभूमि** है।
   मलय : बगीचे में सुगंधित **मलय** बह रही है।
   वंशी : श्री कृष्ण मधुर स्वर में **वंशी** बजाते थे।
   स्वर्ण : स्वर्ण–आभूषण सभी को अच्छे लगते हैं।

करके देखिए

1. (i) गंगा नदी – इसका उद्गम स्थान गोमुख है। यह पवित्र नदी मानी जाती है। इसकी लम्बाई 2525 किलोमीटर है।
   (ii) यमुना नदी– इसका उद्गम यमुनोत्री है। इसकी लम्बाई 1,376 किमी. है।
   (iii) झेलम नदी– इसका स्रोत पीर पंजाल रेंज है। इसका मुहाना चिनाव नदी है। इसकी लंबाई 725 किमी. है।
   (iv) नर्मदा नदी– इसका स्रोत अमर कंटक है। इसकी लम्बाई 1,312 किमी. है।
   (v) गोदावरी नदी–मूल स्थान त्र्यंबकेश्वर, महाराष्ट्र। लंबाई 1,465 किमी रही है।

आइए बातचीत करें।

1. छात्र स्वयं करें।
2. नदियों से हमें जल के सिंचित साधन तथा जीव-जन्तुओं, के लिए पानी पीने को मिलता है।

मूल्यपरक प्रश्न और विचार

1. महात्मा बुद्ध की प्रमुख शिक्षाएँ निम्नवत् हैं–
   (i) मन को शुद्ध रचना चाहिए।
   (ii) शरीर को स्वस्थ रखना चाहिए।
   (iii) क्रोध पर विजय पाना सीखिए।
   (iv) अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए।

2. मातृभूमि के प्रति हमारे प्रमुख कर्तवय निम्नवत है–
   (i) हमें देख सेवा निष्ठा से करनी चाहिए।
   (ii) अपनी मातृभूमि के लिए सदैव समर्पण भाव रखना चाहिए।

पाठ से आगे भी

2. हिमालय पर्वत भारत के उत्तर में स्थित है। यह शत्रुओं से भारत की रक्षा करने के लिए पहरेदार की तरह–खड़ा है। यहाँ से हमें औषधियाँ प्राप्त होती है। यहाँ से बड़ा–बड़ी नदियाँ और झरने निकलते हैं। यह विश्व का सबसे बड़ा पर्वत है।

अध्याय 2 परिश्रम की कमाई

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) अकाल जलालपुर नामक एक गाँव में पड़ा था।
   (ख) महात्मा जी ने राजा को तलाब खुदवाने की सलाह दी।
   (ग) चोर परिश्रम करके प्रसन्न इसलिए हुए क्योंकि इस बार हाथ लगाते उनके सिक्के मिट्टी के नहीं हुए।
   (घ) परिश्रम मनुष्य का महान गुण है। यह मनुष्य को सफलता दिलाता है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (i) ✓
2. (क) महात्मा जी, (ख) मेहनत, (ग) सफल, (घ) धन, (ङ) तालाब
3. (क) ✓, (ख) ×, (ग) ✓, (घ) ×, (ङ) ✓,
4. (क) गाँव में अकाल पड़ने पर लोग अपना गाँव छोड़कर दूसरे गाँव में पलायन करने लगे।
   (ख) मनुष्य को परिश्रम करना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि परिश्रम मनुष्य को सफलता दिलाकर उसके जीवन को प्रसन्नता से भर देता है।
   (ग) चोरों के द्वारा चुराया गया धन मिट्टी इसलिए बन गया, क्योंकि वह उस धन को परिश्रम के बिना ही प्राप्त करना चाहते थे।

पठित अनुच्छेद

5. (क) 'परिश्रम से ही धन कमाया जा सकता है।' यह सोचकर चोरों में कभी चोरी न करने की प्रतिज्ञा को परिग्रहण किया।
   (ख) चोरों ने कभी चोरी न करने की प्रतिज्ञा की क्योंकि उन्हें समझ आ गया कि परिश्रम से ही धन कमाया जा सकता है।

बूझो–पहेली

6. (क) जलालपुर
   (ख) जलसंचय
   (ग) कुटिया

भाषा विकास

1. गीली, अवगुण, असफल, आराम, सीधी, बुरी।
2. मूर्खता, शीघ्रता, मानवता, अपनापन, मित्रता, प्रेम।

करके देखिए

1. शास्त्रों में कहा गया है कि परिश्रम–मेहनत से कमाया धन ही हमें संतुष्टि और स्वास्थ्य देता है। अनीति, अधर्म एवं छल–कपट से कमाया गया धन हमारे चरित्र, स्वास्थ्य और यश को नष्ट करके कष्ट पहुँचाता है।परिश्रम द्वारा प्राप्त धन का महत्व भी परिश्रम करने वाला जानता है। फलतः वह धन का विवेक पूर्वक उपयोग करता है और बहुत सी बुरी आदतों में फँसने से बच जाता है।
2. छात्र/छात्रा स्वयं करें।

मूल्यपरक प्रश्न और विचार

1. धन का मिट्टी हो जाना–पैसा व्यर्थ हो जाना।
2. छात्र स्वयं करें।

पाठ से आगे भी–

1. श्रम वह सुनहरी कुंजी है, जो सोए हुए भाग्य के बंद दरवाजे भी खोल देता है। इसलिए श्रम का जीवन में विशेष महत्व है। श्रम ही जीवन की प्रत्येक सफलता का रहस्य है। इस जीवन तथा संसार में ऐसा कुछ भी असंभव नहीं है, जो श्रम से सभंव न हो सके। श्रम करके मनुष्य असफलता को सफलता में बदल सकता है। परिश्रम करने वाला व्यक्ति हमेशा प्रसन्न, सुखी एवं संतुष्ट रहता है।
2. सामूहिक प्रयास से बड़ी–बड़ी समस्याएँ हल हो जाती हैं। जब व्यक्ति एकता के महत्व को समझ जाता है तो वह बड़ी–बड़ी समस्याओं का निदान ढूँढ़ लेता है। देश को आजादी दिलाने के लिए जब सब भारतीय एकजुट हो जाएँ तो अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए विवश होना पड़ा।

अध्याय 3 बुद्धि का सौदागार

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) निर्धन लड़के ने बुद्धि की दुकान खोली।
   (ख) निर्धन लड़के ने शहर में दुकान खोली।
   (ग) किसी भी कार्य को करने से पहले विचार कर लेना चाहिए।
   (घ) राजा के मंत्री और वैद्य ने राजा को विष पिलाने का षड्यंत्र रचा था, राजा ने विष पीने से पहले, निर्धन लड़के की बात याद कर ली। इस तरह बात राजा के काम आई।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (iii) ✓
   (ग) (iii) ✓
2. (क) हस्ताक्षर, (ख) दासियाँ, (ग) माता-पिता, (घ) पागल, (ङ) धन कमाने।
3. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ×, (घ) ×, (ङ) ✓
4. (क) निर्धन लड़के के माता-पिता नहीं थे। उसके पास आजीविका का कोई साधन नहीं था, इसीलिए धन कमाने के लिए निर्धन लड़के ने शहर जाने के लिए ठान लिया।
   (ख) सेठ के बेटे ने सोचा कि, उसके पिताजी उसे निबुद्धि समझते हैं। क्यों न मैं यहाँ से बुद्धि खरीद लूँ।
   (ग) क्योंकि सेठ और निर्धन लड़के के बीच करारनामा हुआ कि आपका बेटा मेरी सीख का प्रयोग नहीं करेगा।

पठित अनुच्छेद

5. (क) लड़के की दुकान के आस-पास फल, सब्जियाँ, कचड़े, जेवर, मेवे और रोजमर्रा की चीजों की बहुत सारी दुकानें थीं।
   (ख) सारे दुकानदार लड़के की खिल्ली उड़ाते हुए कहते थे—भाई! यह दुकान तो बड़े गजब की है। अब तो अक्ल भी बिकाऊ हो गई है।

भाषा विकास

1. लापरवाही, मूर्ख, बेहोश, बुद्धिमान, अनुपयोगी, महँगी।
2. शक्ति + मान = शक्तिमान
   श्री + मान = श्रीमान
   सज्जन + ता = सज्जनता
   दयालु + ता = दयालुता
3. बुद्धिमान, दूरदर्शी, सर्वप्रिय, निर्धन, निष्कपट

करके देखिए

1. इस संसार में ज्ञान का अत्याधिक महत्व है। ज्ञान के बिना मनुष्य पशु के समान होता है। वास्तव में ज्ञान मानव का भूषण है। ज्ञान मनुष्य का सब प्रकार से कल्याण करने वाला है। सभी सुखों को देने वाला है। सभी धन समय के साथ नष्ट हो जाते हैं किन्तु ज्ञान रूपी धन हमेशा बना रहता है। अत: मानव को ज्ञान का अधिकाधिक संचय करने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए।
2. छात्र स्वयं करें।

मूल्यपरक प्रश्न और विचार

1. समझदारी हमें हर मुसीबत से निकालती है क्योंकि जब हम आपस में झगड़ा कर लेते हैं तो उसका समाधान समझदारी द्वारा ही निकलता है।
2. प्रस्तुत कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि परिस्थितियों के सामने हमें हार नहीं माननी चाहिए। उनका धैयपूर्वक मुकाबला करना चाहिए। बुद्धि एक ऐसी अनोखी वस्तु है, जिसका प्रयोग कर हम सभी कठिनाइयों पर विजय प्राप्त कर सकते है।
3. (क) राजा को।

पाठ से आगे

1. सौदागर वस्तु विक्रेता होता है जिसका प्रमुख कार्य सामान बेचना होता है।
2. सौदागर सौदा (वस्तु) बेचने वाले होते हैं। इनका प्रमुख कार्य बिक्री करना होता है।

अध्याय 4 भारत में हॉकी

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) हॉकी भारत का सबसे पुराना खेल है।
   (ख) रुधिर का संचार होता है।
   (ग) सन् 1925 में भारतीय हॉकी संघ की स्थापना हुई।
   (घ) हिटलर जर्मनी का तानाशाह था।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) ✓ (ख) (iii) ✓
   (ग) (ii) ✓ (घ) (ii) ✓

2. (क) हॉकी, (ख) बलवीर सिंह, (ग) रुधिर, (घ) खेल, (ङ) मानसिक, बौद्धिक, शारीरिक
3. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✓, (ङ) ✓
4. (क) खेल का महत्त्व मानव–जीवन में इसलिए आवश्यक है, क्योंकि खेलों से मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक विकास होता है।
   (ख) भारत ओलंपिक प्रतियोगिता में पहली बार सन् 1928 में हॉकी खेल में उतरा था।
   (ग) सन् 1928 के ओलंपिक में 'ध्यानचंद' जी की अहम् भूमिका रही वे जीते भी फिर बहुत से देशों के हॉकी दलों को पराजित किया तथा भारत की विजय पताका फहराई। तभी से इनका नाम 'हॉकी का जादूगर' प्रसिद्ध हुआ।

पठित अनुच्छेद

5. (क) भारत में हॉकी का खेल इंग्लैण्ड से आया था।
   (ख) भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है।

भाषा विकास

1. पराजय, हार, अस्वस्थ, कटु।
2. **प्रसिद्धि :** ध्यानचंद जी को 'हॉकी के जादूगर' के नाम से **प्रसिद्धि** मिली।

चित्ताकर्षक : सुबह का दृश्य **चित्ताकर्षक** लगता है।
प्रशिक्षण : गुरु द्वारा दिया गया **प्रशिक्षण** बहुत काम आता है।
सर्वश्रेष्ठ : ओलंपिक प्रतियोगिता में बलवीर सिंह **सर्वश्रेष्ठ** खिलाड़ी घोषित हुआ।

3.

मेधा	बुद्धि	कौशल
रक्त	खून	रुधिर
हार	असफलता	अविजय
नग	भूधर	पहाड़

करके देखिए

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।
- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

मूल्यपरक प्रश्न और विचार

1. खेल भावना से तात्पर्य है कि खेल में कभी–भी ईर्ष्या–द्वेष नहीं होना चाहिए। जीत से ज्यादा हार से व्यक्ति सीखता है। खेल हमें एकता, नैतिकता और प्रेमभाव सिखाता है।
2. खेल हमारे जीवन का अनिवार्य अंग इस प्रकार है क्योंकि इससे व्यक्ति मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहता है।

अध्याय 5 बादलों की गोद से

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) बादलों से निकलते समय बूँद के मन की व्याकुल दशा थी।
   (ख) हवा के वेग से बूँद समुद्र में जाकर गिरी।
   (ग) भय के कारण घर छोड़ते समय लोग झिझकते हैं।
   (घ) इस कविता में कवि ने घर छोड़ने पर उत्पन्न मनोभावों का वर्णन किया है।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (ii) ✓ (घ) (i) ✓
2. (क) *ज्यों निकलकर* बादलों की गोद से।
   थी अभी एक बूँद कुछ *आगे बढ़ी*।
   सोचने फिर–फिर यही जी में लगी।
   आह! क्यों घर छोड़कर मैं *यों कढ़ी*।
   (ख) *लोग यों ही* हैं झिझकते, सोचते।
   जबकि उनको छोड़ना पड़ता है *घर*।
   किंतु घर का छोड़ना अक्सर उन्हें।
   बूँद लौं कुछ और ही देता है कर।
3. (क)–(iii), (ख)–(iv), (ग)–(ii), (घ)–(i)
4. (क) बादलों की गोद से निकलकर बूँद सोच रही थी कि मेरे भाग्य में क्या है? बाहर निकलकर मेरा क्या होगा?
   (ख) हवा चलने (बहने) से बूँद समुद्र की ओर चल पड़ी। वहाँ सीप का मुँह खुला हुआ था, वह उसमें गिर पड़ी।
   (ग) सीप में गिरने पर बूँद मोती बन गई।
   (घ) हवा बहने से बूँद सीपी के मुँह में जा गिरी, जिससे वह (बूँद) मोती बन गई।

पठित अनुच्छेद

5. (क) बूँद हवा के साथ समुद्र की ओर चली गई।
   (ख) बूँद सीप के मुँह में गिरकर मोती बन गई।

भाषा विकास

1. बाहर, बन्द, कुरूप, धूल, दुर्भाग्य, पीछे
2. **बूँद :** पानी की एक–एक बूँद से घड़ा भरता है।
   गोद : माँ की गोद सबसे सुरक्षित जगह होती है।

भाग्य : भाग्य की जगह, मेहनत पर विश्वास करना चाहिए।
अंगारे : जेठ की दुपहरी में आसमान से मानों अंगारे बरस रहे थे।
मोती : बच्चों का मन, मोती के समान साफ होता है।

3.

पवन	समीर	वायु
जलद	नीरद	अम्बुद
उदधि	सागर	जलधि
आवास	गृह	निकेतन
पुष्प	कुसुम	प्रसून

4. संदेश, मुँह, फूल, बूँद, मोती, सीप।

करके देखिए

1. **भावार्थ**—बादल में से एक बूँद बरसकर अलग होती है, तो वह बहुत चिंतित होती है। वह सोचती है कि मैं अपना घर छोड़कर क्यों निकली ? मेरे भाग्य में क्या लिखा है, मैं बचूँगी या धूल में गिरकर नष्ट हो जाऊँगी या किसी अंगारे पर गिरकर जल जाऊँगी या किसी कमल के फूल में गिर पड़ूँगी। बूँद ऐसा सोच ही रही थी कि हवा का झोंका उसे समुद्र की ओर बहा ले गया। वहाँ एक सीप का मुँह खुला हुआ था, वह उसमें गिरकर मोती बन गई। बूँद के माध्यम से कवि ने कहा है कि लोग घर छोड़ते समय अक्सर झिझकते हैं, डरते हैं, लेकिन बाहर निकलकर व्यक्ति बूँद की तरह कुछ भी बन सकता है।
2. पृथ्वी पर समुद्र जल का भंडार है। जल की तीन अवस्थाएँ हैं, ठोस, द्रव, गैस। द्रव के रूप में जल नदी-सागरों, भूमि के अन्दर तथा ठोस के रूप में बर्फ तथा गैस के रूप में वाष्प (बादल) होता है। समुद्र में स्थित जल वाष्पीकरण प्रक्रिया द्वारा वाष्प बन जाता है, जो ऊपर उठकर बादलों के रूप में इकट्ठी होती है। यह जल-वाष्प ठंडी होकर छोटी-छोटी बूँदों के रूप में परिवर्तित हो जाती है, जो बरसकर जमीन पर गिरती हैं। जो नदी नालों के माध्यम से पुनः समुद्र में जा पहुँचता है। यह एक निरंतर चलने वाली जल-चक्र प्रक्रिया है।

मूल्यपरक प्रश्न और विचार

1. प्रस्तुत कविता से हमें यह संदेश मिलता है कि हमें घर से बाहर निकलते समय डरना-झिझकना नहीं चाहिए, वरन नई परिस्थितियों का समाना करना चाहिए।
2. बूँद जैसी स्थिति प्रारम्भ में मनुष्य के जीवन में आती है। ऐसी दुविधा पूर्ण स्थिति में निपटने के लिए हम धैर्य धारण करेंगे।

पाठ से आगे भी

1. घर छोड़ते समय परेशानी महसूस करना स्वाभाविक ही है, क्योंकि घर और उसके आस-पास के लोग, स्थान, समाज सब कुछ जाना-पहचाना रहता है। आवश्यकता के समय लोगों की मदद मिल जाती है, परंतु घर के बाहर इस प्रकार की स्थितियाँ नहीं रहतीं। घर के बाहर का अनजान माहौल लोगों के मन में डर पैदा करता है। कहीं कुछ अप्रिय न घटित हो जाए, इसलिए लोग घर छोड़ते समय डरते-झिझकते हैं तथा परेशानी अनुभव करते हैं।
2. सफलता प्राप्त करने के लिए संघर्षशीलता, धैर्य और त्याग जैसे गुणों की आवश्यकता होती है।

अध्याय 6 दो माताएँ

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) आदिवासी लोग असम के हतिया गाँव में रहते थे।
   (ख) मंदिर में कोई मूर्ति नहीं थी, बल्कि दीवार और छत्तों पर खुदाई करके बनी छोटी-छोटी मूर्तियाँ उपस्थित थीं।
   (ग) लोग उन्हें जंगल के देवता मानते थे।
   (घ) प्रस्तुत कहानी हाथियों के स्वभाव के बारे में है।
   (ङ) हथिनी द्वारा बालक को बाघ से छुड़ाने की घटना के बाद सौदागरों को हमेशा के लिए गाँव से भगा दिया गया।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (ii) ✓ (ग) (i) ✓ (घ) (ii) ✓
2. (क) के बीच, (ब) के पीछे, (ग) हाथी, (घ) के साथ,
3. (क) ×, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✓
4. (क) मंदिर में जाकर हाथियों की पूजा करते थे। गाँव के लोग दूध, फल, शहद लेकर मंदिर में जाते थे।
   (ख) गाँव वालों की एकमात्र शत्रुता बाघ से थी।
   (ग) औरत ने जंगल में से लकड़ी के गट्ठर गड्ढे में डाले, जिससे बच्चा उन सीढ़ीनुमा लकड़ी से ऊपर आया।
   (घ) माँ हथिनी का बच्चा गड्डे में गिर गया था।

पठित अनुच्छेद

5. (क) हथिनी और उसके बच्चे के प्रेम को देखकर लोग आश्चर्यचकित रह गए।

(ख) गाँव वाले ने हाथ जोड़कर, झुककर जंगल के देवता को प्रणाम किया।

भाषा विकास

6. जीत, अन्याय, सुख, उधर, सफेद, बुरा, दानव, मित्र, ग्रामीण, वहाँ।
2. पड़ा, रूठा, मंगल, मंजन, ताल, चल
3.

गज	कुंजर	दन्ती
वन	अरण्य	कानन
माता	जननी	अम्ब
सूर्य	आदित्य	भास्कर
शैल	गिरि	पर्वत

करके देखिए

1. गाँव में शीत ऋतु की विदाई पर एक विचित्र उत्सव मनाया जाता था। यह उत्सव गाँव के लोगों द्वारा हाथियों के प्रति अपनी प्रेम भावना, श्रद्धा, कृतज्ञता को व्यक्त करने के प्रतीक रूप में मनाया जाता है।
2. प्रियमित्र
   करुणेश सिंह शेखावत
   नमस्ते,
   आशा है, आप परिवार सहित सानंद होंगे। इस पत्र के माध्यम से मैं आपको असम के आदिवासियों के उत्सव के बारे में बताना चाहता हूँ। वहाँ शीत ऋतु के बाद आदिवासी एक मंदिर में शहद, दूध, फल लेकर इकट्ठे होते हैं और उत्सव मनाते हैं। हाथियों की मूर्ति दीवार पर खुदी है। एक बार हथिनी ने बाघ के पंजे से एक बालक को छुड़ाया था, तब से परंपरा रूप में प्रतिवर्ष यह उत्सव मनाया जा रहा है। मित्र! मुझे उम्मीद है, कि आपको यह जानकारी रोचक लगी होगी। परिवार में सबको यथा योग्य प्रणाम कहना। पत्र लिखकर हाल-चाल जरूर बताना।

   आपका ही
   राज नारायाण मीणा
   अलवर (राज.)

आइए बातचीत करें

1. छात्र स्वयं करें।
2. बंदर को पकड़ने के लिए एक काँच के जार में केला आदि खाने की वस्तु रखकर उसे पकड़ा जाता है।

मूल्यपरक प्रश्न और विचार

1. वन्य प्राणियों की सुरक्षा के लिए जंगलों का संरक्षण और वृक्षारोपण किया जा सकता है।
2. छात्र स्वयं करें।

पाठ से आगे

1. मनुष्य प्रकृति पर आश्रित है क्योंकि प्रकृति के सुचारित होने पर ही समय से बारिस और फसल तैयार होती है, जो लोगों के जीवन यापन के लिए सहायक होती है।
2. छात्र स्वयं करें।

अध्याय 7 प्रेम-भावना

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) हीरे, सोना-चाँदी, आभूषण, पैसा आदि नाव में रखा था।
   (ख) प्रेम की भावना टापू पर अंतिम क्षणों तक रहना चाहती थी।
   (ग) वह और दु:खी होना नहीं चाहती थी।
   (घ) समय और बुद्धि ने प्रेम भावना की मदद की।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (iii) ✓ (घ) (iii) ✓
   (ङ) (ii) ✓ (च) (i) ✓
2. (क) नाव, (ख) ठिकाना, (ग) भावनाओं, (घ) उमंग, (ङ) अमीरी
3. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✓
4. (क) प्रेम-भावना ने अपने लिए कोई नाव नहीं बनाई।
   (ख) यदि ऐसा होता है तो, धरती पर से मनुष्यता खत्म हो जाएगी। सभी मनुष्य स्वार्थी व हीन भावना से ग्रसित हो जाएँगे।
   (ग) अमीरी भावना की नाव में हीरे, मोती, सोना-चाँदी, आभूषण रखे थे। अमीरी ने कहा कि उसकी नाव में जगह नहीं है।

पठित अनुच्छेद

1. प्रेम-भावना की जान समय ने बचाई।
2. प्रेम-भावना के बिना दुनिया इतनी कठोर हो जाएगी कि वहाँ रहना मुश्किल हो जाएगा।

भाषा विकास

1. बुरा, दु:ख, युवा, कुरूप, निर्धन, नफरत, आसान, गरीबी।
2. रण, सस्ती, दु:ख, फिरने, बापू, बोती

करके देखिए

1. समय और जीवन एक-दूसरे के पूरक हैं। सच तो यह है कि समय का रूप ही जीवन है। समय का सदुप्रयोग हमारे जीवन

की सफलता की कुंजी है। यदि हमने अपने इस अमूल्य समय को व्यर्थ ही गपशप और आलस्य में गँवा दिया, तो हम जीवन में कुछ भी नहीं कर पाएँगे। समय को नष्ट करना चरित्र की बहुत बड़ी दुर्बलता है। हिन्दी साहित्य के महान कवि कबीरदास ने भी समय के महत्व को बहुत ही सुंदरता से दर्शाया है।

काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।
पल में परलय होएगी, बहुरि करेगा कब।।

इस दोहे के द्वारा समय के मूल्यवान होने का महत्व भली प्रकार कवि ने बताया है।

मूल्यपरक प्रश्न और विचार

1. मनुष्य को स्नेहपूर्ण और धरती पर रहने योग्य बनाने में प्रेम-भावना का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। बिना प्रेम भावना के मनुष्य नफरत और ईर्ष्या में जीने लगता है जिससे जीवन जीने का महत्व और आनंद समाप्त हो जाता है।

पाठ से आगे भी

1. छात्र स्वयं करें।
2. चारों ओर से घिरे भू-भाग को टापू कहते हैं। टापू को द्वीप भी कहा जाता है। टापुओं को आकार, वनस्पति और मानव निवास के आधार पर परिभाषित किया जाता है।

परियोजना कार्य

1. छात्र स्वयं करें।

अध्याय 9 किरात-अर्जुन का युद्ध

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) अर्जुन पाशुपत दिव्यास्त्र पाना चाहते थे।
   (ख) शंकर भगवान की आराधना कर रहे थे।
   (ग) बलिष्ठ प्रतीत हो रहा था।
   (घ) किरात के पास धनुष-बाण थे।
   (ङ) अर्जुन का किरात से युद्ध हुआ।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (ii) ✓ (घ) (ii) ✓
   (ङ) (ii) ✓
2. (क) अमोघ, (ख) पांडव, (ग) अर्जुन, (घ) बलिष्ठ,
3. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ✓, (घ) ✓
4. (क) अर्जुन पाशुपत नामक अधिक शक्तिशाली दिव्यास्त्र प्राप्त करने के लिए भगवान शिव की तपस्या कर रहे थे।
   (ख) भगवान शंकर जानना चाहते थे कि अर्जुन कहीं दिव्यास्त्र का गलत प्रयोग न करें और अर्जुन सही साबित हुए।
   (ग) किरात और अर्जुन के मध्य सूअर को लेकर विवाद हुआ।
   (घ) अर्जुन समझ चुके थे कि किरात भी बहुत शक्तिशाली हैं, इसलिए बीच में युद्ध छोड़ दिया।

पठित अनुच्छेद

5. (क) वीर अर्जुन ने भगवान शिव से 'पाशुपत' नामक अमोघ अस्त्र प्राप्त किया।
   (ख) अर्जुन ने किरात को साधारण मनुष्य समझकर दिव्यास्त्रों का प्रयोग नहीं किया और यह कहकर कि तुम साधारण किरात नहीं हो सकते, हाथ जोड़कर खड़े हो गए। इस बात प्रसन्न होकर शिव जी अर्जुन के सामने प्रकट हो गए।

भाषा विकास

6. हार, दुराचारी, कमजोर, विक्रय, दुर्गंध, अपकर्ष, मृत, अपयश।
7. अजेय, दिव्यास्त्र, वनवासी, अमोघ, पुजारी।
8.

देह	गात	काया
आराधना	अर्चना	प्रार्थना
शंकर	महादेव	नीलकंठ
कांता	जीवनसंगिनी	अर्द्धांगिनी
सुधा	सोम	पीयूष

पाठ से आगे भी

1. महाभारत को सबसे बड़ा महाकाव्य माना जाता है। इसके रचनाकार महर्षि वेदव्यास जी हैं। यह अठारह पर्वों में विभक्त है।
2. हाँ, यह सही है कि अर्जुन अपने समय के धनुर्धरों में सबसे सर्वश्रेष्ठ थे। महाभारत काल के दौरान और भी कई श्रेष्ठ धनुर्धर थे, जो वीरता में अर्जुन से भी अधिक बड़े धनुर्धर थे, परंतु धर्म, व्यवहार, नीतिगत व मानवीय दुर्बलता के कारण वे अर्जुन से अधिक प्रतिष्ठा नहीं पा सके जैसे-कर्ण दुर्योधन के साथ रहने के कारण वह श्रेष्ठ होते हुए भी प्रतिष्ठा न पा सके। अर्जुन धर्म नीति का पालन करने के कारण श्रेष्ठ धनुर्धर कहलाए।

करके देखिए

1. महाभारत में अर्जुन के अतिरिक्त मुझे अर्जुन का पुत्र अभिमन्यु प्रिय है। पिता की अनुपस्थिति में परिवार को संकट में जानकर उसने साहस का परिचय देते हुए जो वीरता दिखाई वह अतुल्य है। अभिमन्यु स्वयं बलिदान हो गए परंतु कुल के यश को यथावत रहने दिया। आज भी वीर अभिमन्यु का नाम वीरता का प्रतीक बन गया है।

अध्याय 11 महर्षि दयानन्द सरस्वती

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) स्वामी दयानन्द के बचपन का नाम मूलशंकर था।
   (ख) टंकारा गाँव में स्वामी दयानन्द का जन्म हुआ।
   (ग) माता का नाम अमृतबाई तथा पिता कर्षन तिवारी थे।
   (घ) स्वामी दयानंद ने विरजानन्द स्वामी से व्याकरण पढ़ा।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (i) ✓
2. (क) (iv), (ख) (i), (ग) (v), (घ) (ii), (ङ) (iii)
3. (क) ✓, (ख) ×, (ग) ✓, (घ) ×
4. (क) स्वामी दयानन्द ने चौदह वर्ष की आयु में शिव चौदस का व्रत रखा।
   (ख) स्वामी दयानन्द ने 22 वर्ष की आयु में सच्चे शिव की खोज में घर छोड़ा।
   (ग) स्वामी दयानन्द ने संस्कृत व्याकरण एवं वेदों का अध्ययन स्वामी विरजानंद की पाठशाला (मथुरा) में किया।
   (घ) स्वामी दयानन्द के कार्यकाल के समय भारत देश पर अंग्रेजों का शासन था।

पठित अनुच्छेद

5. (क) दयानंद सरस्वती का जन्म सन् 1824 में भारत के पश्चिम प्रांत कठियावाड़ (गुजरात) के मोरवी राज्य के टंकारा गाँव में एक धनी ब्राह्मण परिवार में हुआ था।
   (ख) दयानंद सरस्वती का बचपन का नाम पं0 मूलशंकर था।

भाषा विकास

1. उपवास, पत्थर, निकेतन, पर्वत
2. सोना, मरण, आरंभ, अधूरा

करके देखिए

1. छात्र स्वयं करें।
2. दयानन्द सरस्वती का जन्म गुजरात प्रांत के टंकारा नामक गाँव में हुआ था। इनके बचपन का नाम मूलशंकर था। इनके पिता का नाम श्री कर्षन तिवारी व माता का नाम अमृतबाई था। इनके पिता शिवमंदिर के महन्त थे। ये बहुत ही जिज्ञासु प्रकृति के थे। बाईस साल की उम्र में इन्होंने संन्यास धारण कर लिया। इन्होंने मथुरा आकर स्वामी विरजानन्द से संस्कृत व्याकरण और वेदों का ज्ञान प्राप्त किया। इन्होंने 1875 ई० में मुम्बई में 'आर्य समाज' की स्थापना की। 30 अक्टूबर 1888 में इनकी मृत्यु हो गई।

अध्याय 12 समझदार लोमड़ी

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) शेर बुढ़ापे से हार गया था।
   (ख) शेर तीन दिनों से भूखा था।
   (ग) शेर की अंतिम इच्छा लोमडी को गुफा देने की थी।
   (घ) खरगोश गुफा के पास बैठकर घास खा रहा था।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) ✓ (ख) (iii) ✓
   (ग) (iii) ✓
2. (क) लकवे, (ख) शक्ति, (ग) लोमड़ी, (घ) निश्चय,
3. (क) ×, (ख) ×, (ग) ×, (घ) ×
4. (क) शेर सोच रहा था कि वह आज तक किसी से नहीं हारा। बड़े-बड़े जानवरों को हराया है, परन्तु आज बुढ़ापे से हार गया।
   (ख) शेर की शारीरिक शक्ति कमजोर थी। उसके पिछले पैर लकवे के कारण सूख गए थे। वह चल नहीं सकता था।
   (ग) खरगोश ने शेर को घास के तिनके से ढका और पहाड़ की ओर चल दिया और लोमड़ी को गुफा तक ले आया।
   (घ) शेर तीन दिन से भूखा था, शारीरिक शक्ति कम हो रही थी। इसलिए शेर को मरने का नाटक करना पड़ा।

पठित अनुच्छेद

5. (क) शेर ने खरगोश से कहा।
(ख) पाँचो उँगलियाँ बराबर नहीं होतीं का अर्थ है कि हर प्राणी की अपनी-अपनी विशेषताएँ होती हैं।

भाषा विकास

1. हानि, बुरा, दु:ख, निडर, जीना, अविश्वास
2. तन, मनोभाव, गिरि, औरत, नृप, पुत्र, वन, सिंह
3. विनम्र + ता = विनम्रता
समान + ता = समानता
कायर + ता = कायरता

करके देखिए

1. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें किसी की बातों पर यों ही विश्वास नहीं कर लेना चाहिए वरन् बुद्धि का प्रयोग करके उसकी सत्यता-असत्यता की परख करके ही आगे बढ़ना चाहिए।

आइए बातचीत करें

1. मानव-जीवन में प्राय: अनेक कारणों से अनेक विपत्तियाँ आती रहती हैं। उन विपत्तियाँ में कुछ व्यक्ति निराश-हताश-असफल हो जाते हैं, परंतु कुछ व्यक्ति धैर्यपूर्वक बुद्धि से उन विपत्तियों को दूर करने का उपाय सोचते हैं, बहुत हद तक बुद्धि के उपयोग से वे उस विपत्ति से छुटकारा पा लेते हैं। अत: आने वाली विपत्ति से घबराने की बजाय बुद्धि कौशल से ही उसका समाधान किया जा सकता है।

मूल्यपरक प्रश्न और विचार

2. हमें बिना सोचे-समझे किसी की बात पर विश्वास नहीं करना चाहिए क्योंकि यदि लोमड़ी बिना विचार किए गुफा पर घुस जाती तो उसके साथ उसके बच्चे भी शेर का शिकार बन जाते।

पाठ से आगे

1. शेर और हाथी में हाथी अधिक बलशाली है किंतु फुर्ती और साहस शेर में अधिक होता है इसलिए वह हाथी को भी अपना शिकार बना लेता है।
2. छात्र स्वयं करें।

अध्याय 13 अमरनाथ की यात्रा

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) लेखक को कश्मीर जाने का निमंत्रण फोन पर मिला।
(ख) ऑक्सीजन की कमी होने लगती है।
(ग) छड़ी मुबारक श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर में प्रस्थापित शिवलिंग का प्रतीक है।
(घ) महागुनस चोटी पार करने के बाद टट्टू विदक रहा था इसलिए लेखक डर रहा था।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (ii) ✓
(ग) (iii) ✓ (घ) (ii) ✓
2. (क) पापों, (ख) टैंट, (ग) लिद्दर, (घ) हरियाली
3. (क) पहलगाम जाने के लिए ड्राइवर द्वारा जम्मू शहर की परिक्रमा लगाई क्योंकि रास्ते में उसका घर था, जहाँ पत्नी ने उसे हाथ हिलाकर विदा किया।
(ख) लिद्दर नदी को लेखक ने असाधारण तौर पर खूबसूरत कहा है क्योंकि कुछ आस्थावान यात्री इस नदी की बर्फली धार में सायं के धुँधलके में भी गोते लगाते दिखे।
(ग) टट्टू पर सवार लेखक को लेकर टट्टू बिगड़कर भागने लगा। दूसरी तरफ गहरी खाई थी। मौत के डर से लेखक की जान आफत में आ गई थी।
(घ) पतनी टॉप पर आकर लेखक को कश्मीर की ठंडी जलवायु का अनुभव हुआ।
4. (क) (ii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (iii), (ङ) (i)

पठित अनुच्छेद

5. (क) 'छड़ी मुबारक' श्रीनगर में स्थित है।
(ख) छड़ी मुबारक के आयोजन में लगभग बारह हजार यात्री सम्मिलित थे।

भाषा विकास

1. पहाड़ शैल गिरि
शेषशायी क्षीरशायी लक्ष्मीपति
नीर जल तोय
देह तन काया
2. कुरुप, बदरंग, युवावस्था, निडर, अस्वस्थ, गर्म।
3. विफल वि फल
असामान्य अ सामान्य
स्वभाव स्व भाव
असमर्थ अ समर्थ
अपूर्ण अ पूर्ण
आहार आ हार
अतिरिक्त अति रिक्त

प्रसिद्ध	प्र	सिद्ध
सुशील	सु	शील
आचरण	आ	चरण

करके देखिए

1. छात्र/छात्रा स्वयं करें

आइए बातचीत करें

2. तीर्थ स्थल हमारी संस्कृति के आधार स्तंभ हैं। धर्मावलंबी लोग पुण्य प्राप्ति और जाने-अनजाने में किए गए पापों को धोने के लिए तीर्थों में जाते हैं। निस्संदेह कुछ समय के लिए इन तीर्थ-स्थलों में मानसिक व शारीरिक शांति मिलती है। परंतु व्यक्ति अपने कलुषित मन और विचारों को शुद्ध करने का स्वयं प्रयत्न न करें, तो तीर्थ-यात्रा का कोई औचित्य नहीं रहता। तीर्थ हमारे मार्गदर्शक हो सकते हैं, लेकिन कलुषित मन को शुद्ध रखने के लिए हमें स्वयं ही प्रयास करने होंगे।

मूल्यपरक प्रश्न और विचार

1. जीवन में पर्यटन आवश्यक है। पर्यटन से हमें बहुत लाभ हैं। जब हमारा मन एक स्थान पर रहते-रहते खिन्न पड़ जाता है। तब हम पर्यटन पर जाते हैं और मन की शांति प्राप्त करते हैं। साथ ही इससे लोगों की अलग-अलग जीवन शैली का भी ज्ञान होता है।
2. तीर्थ स्थल श्रद्धा के केन्द्र होते हैं। यहाँ से हमारे मन को शांति और निर्‌अहंकार से जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। साथ ही मन में सेवाभाव पैदा होता है।

पाठ से आगे भी

1. हिमालय की सबसे ऊची चोटी का नाम एवरेस्ट है जिसकी ऊँचाई 8, 849 मीटर हैं।
2. हिमालय पर्वत से निकलने वाली दो नदियों के नाम हैं– गंगा तथा सतलज।

अध्याय 14 हमारे पर्व : हमारा गौरव

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) 2 अक्टूबर को गाँधी जंयती मनाई जाती है।
   (ख) ईसा मसीह का जन्मदिन क्रिसमस के रूप में मनाया जाता है।
   (ग) 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है।
   (घ) पोंगल, ओणम आदि दक्षिण भारत के प्रमुख पर्व हैं।
   (ङ) मुस्लिम लोग साल में तीन बार ईद मनाते हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (i) ✓
   (ग) (iii) ✓ (घ) (ii) ✓
2. (क) 14 जनवरी, (ख) होली, (ग) महात्मा गाँधी, (घ) गणतंत्र।
3. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ×, (घ) ×
4. (क) भारत में अनेकता में एकता से तात्पर्य है कि भारत में विभिन्न धर्म के लोग रहते हैं। सभी के अलग पर्व हैं, परन्तु सब मिल जुलकर मनाते हैं।
   (ख) होली के साथ प्रहलाद और हिरण्यकश्यप व होलिका की कथा जुड़ी है।
   (ग) रामचन्द्र जी, लंका पर विजय पाकर, सीता को अपने साथ अयोध्या दीपावली के दिन ही वापस लाते हैं। इसी खुशी में हम दीपावली मनाते हैं।
   (घ) पोंगल पर्व तमिलनाडु में 14 जनवरी को, मनाया जाता है। इस दिन किसान अपने पशुओं को विशेष रूप से सजाते हैं और उनकी पूजा करते हैं।

पठित अनुच्छेद

5. (क) ओणम केरल प्रदेश का प्रमुख उत्सव है।
   (ख) ओणम को 'फूलों का पर्व' भी कहा जाता है।
   'सर्पकार नावों की दौड़' इस त्यौहार का प्रमुख आकर्षण है।

भाषा विकास

1. अज्ञात, प्राचीन, शोक, दिन, सस्ता, नफरत, हानि, अपवित्र
2. प्रत्येक, स्वागत, विद्यार्थी, विद्यालय, दिनेश, पुस्तकालय
3.

पंकज	वारिज	नीरज
मेघ	जलद	वारिद
भगवान	विधाता	प्रभु
कान्हा	कृष्ण	वंशीधर

करके देखिए

गणतंत्र दिवस

1. गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है। यह पर्व 26 जनवरी को मनाया जाता है। 15 अगस्त, 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ तो भारत को गणतंत्र बनने में कई वर्ष लग गए। स्वतंत्र भारत का संविधान भी 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया, तभी से 26 जनवरी का दिन गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है।

होली

2. होली का त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस दिन होलिका दहन होता है। अगले दिन रंग-गुलाल से होली खेली जाती है। होली के त्योहार पर लोग एक-दूसरे के गले मिलते हैं, बधाई देते हैं। चारों ओर मौज-मस्ती का नज़ारा छा जाता है।

आइए बातचीत करें

- छात्र/छात्रा स्वयं करें।

मूल्यपरक प्रश्न और विचार

1. होली के त्योहार की कथा हिरण्यकशिपु, प्रह्लाद और होलिका से जुड़ी है जो नफरत और अधर्म को मिटाने तथा प्रेम और सत्य मार्ग पर चलने का संदेश देती है।
2. छात्र/छात्रा स्वयं करें।

पाठ से आगे भी

1. राष्ट्रीय पर्व हमें एकता, अखण्डता और स्वतंत्रता का संदेश देते हैं। ये बताते हैं कि वर्षों बाद गुलामी से मिली आजादी का क्या महत्व होता है।
2. समय के साथ जो परम्पराएँ अनुपयोगी हो जाएँ और उसका समाज में गलत संदेश पहुँचे तो उन्हें त्याग देने में ही भलाई है। जैसे— सती प्रथा, पर्दाप्रथा तथा बलिप्रथा या चल रही मृत्यु भोज प्रथा आदि।

अध्याय 15 पिंजरे में शेर

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) फारस के राजा का दूत अकबर के दरबार में पँहुचा।
   (ख) पिंजरे में शेर की मूर्ति थी।
   (ग) शेर को पिघलाने का निर्णय लिया।
   (घ) सेवक ने कहा।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (i) ✓
   (ग) (ii) ✓
2. (क) पिघल, (ख) दो, (ग) और (घ) पहेली
3. (क) ✓, (ख) ✓, (ग) ×, (घ) ✓
4. (क) फारस के राजा ने अकबर से कहा कि वह इस शेर की मूर्ति को उपहार स्वरूप स्वीकार करें, तथा बिना तोड़े पिंजरा वापस कर दें।
   (ख) पुतले पर धातु की परत चढ़ाई गई थी।
   (ग) बीरबल ने लोहे की छड़ों को गर्म करवाया और शेर से लगाया, इस तरह मोम का शेर पिघल गया।
   (घ) अकबर ने प्रसन्न होकर बीबल को विभिन्न प्रकार के उपहार दिए।

भाषा विकास

1.

वक्त	काल	अवधि
नृप	सम्राट	नरेश
सिंह	मृगेन्द्र	केशरी
दिवस	वासर	दिवा
नीर	पानी	तोय
भवन	निकेतन	गृह

2. भट्ठियाँ, छड़ें, मूर्तियाँ, पिंजरे, परेशानियाँ, सेवकों, पहेलियाँ, धातुएँ, पुतलों, राजाओं
3. आदमकद शेर, महामहिम अकबर, सुलगती छड़े, खाली पिंजरा, एक पिंजरा

करके देखिए

1. राजामानसिंह, तानसेन, फकीर अजीजोद्दीन, फैजी, मुल्ला दो प्याजा, अब्दुल रहीम खान खाना, राजा टोडर मल, हकीम हुमाम।

आइए बातचीत करें

1. एक बार अकबर ने घोषणा की कि जो सर्दी की रात में ठंडे पानी के तालाब में पूरी रात खड़ा रहेगा वह उसे भारी मात्रा में धन देगा। एक निर्धन व्यक्ति यह करने के लिए तैयार हो गया और वह पूरी रात ठंडे पानी में खड़ा रहा। सुबह अकबर ने उससे पूछा कि उसने ऐसा कैसे किया? तब व्यक्ति ने उत्तर दिया कि आपके महल में एक दीपक जल रहा था मैं उसे ही देखता रहा और रात कट गई। इस पर अकबर ने कहा तुम्हें कोई इनाम नहीं दिया जायेगा तुमने उस दीपक से गरमाहट प्राप्त की। बीरबल को बुरा लगा और उसने अकबर को सबक सिखाने को सोचा। उसने एक दीपक की लौ जलाकर ऊँची अंगीठी पर खिचड़ी पकाने को बर्तन में रखी। अकबर ने बीरबल से कहा कि बीरबल भला ऐसे कैसे यह खिचड़ी पक जायेगी, इस पर बीरबल ने कहा ठीक उसी प्रकार व्यक्ति को कैसे उस दीपक से गरमाहट मिल सकती है। अकबर को अपनी गलती का अहसास हुआ और उस व्यक्ति को ढेर सारा धन देकर पुरस्कृत किया।

मूल्यपरक प्रश्न और विचार

1. सभी बलों में श्रेष्ठ बुद्धि बल होता है। यदि बीरबल बुद्धिमान न होते तो अकबर को फारस के राजा के सामने नतमस्तक होना पड़ता।

2. बुद्धिमान व्यक्ति सर्वत्र सम्मानित होता है क्योंकि बुद्ध द्वारा ही बड़े से बड़ा योद्धा पराजित हो जाता है। बुद्धि के कारण ही अकबर बीरबल का सम्मान करते थे।

अध्याय 16 चतुर चरवाहा

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) सोमू अपनी भेड़ें मैदान में चरा रहा था।
   (ख) घुड़सवार, पहेली बुझा नहीं पाया। इसलिए हार मान ली।
   (ग) घुड़सवार ने सोमू से ऐसी भेड़ माँगी जो न काली, न सफेद, न भूरी और न चितकबरी हो।
   (घ) सोमू के सुंदर जवाब से प्रसन्न होकर घुड़सवार ने सोमू को बाँसुरी भेंट में दी।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (i) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (ii) ✓ (घ) (ii) ✓
   (ङ) (iii) ✓
2. (क) तेज, (ख) चतुर, (ग) सुंदर, (घ) सुरीली, (ङ) अच्छी
3. (क) ×, (ख) ×, (ग) ×, (घ) ✓
4. (क) सोमू ने पहेली का जबाव ढूँढ़ लिया था। इस खुशी में उसने अपनी छड़ी और फर की टोपी फेंक दी।
   (ख) सोमू ने घुड़सवार को चतुराई भरा जवाब देते हुए कहा कि आप अपने आदमी को सोमवार से रविवार तक मत भेजना, किसी और दिन भेज देना।
   (ग) सोमू की हाजिरजबावी और चतुराई से खुश होकर बाँसुरी दी।

पठित अनुच्छेद

(क) घुड़सवार ने प्रसन्न होकर चरवाहे को अपनी सुरीली बाँसुरी उपहार में दी।
(ख) उसने कहा कि जितना सुंदर तुम जवाब देते हो, उतनी ही अच्छी यह बाँसुरी भी बजाओ।

भाषा विकास

1. गरीब आकाश
   दुःख बुढ़ापा
2. **पहेली : पहेली** मनोरंजक व ज्ञानवर्द्धक होती है।
   मैदान : रामपुर का रामलीला का स्थान प्रसिद्ध **मैदान** है।
   बुद्धिमान : बुद्धिमान व्यक्ति को सभी लोग पसन्द करते हैं।
   मधुर : मधुर बोलने वाले को सभी जगह सम्मान मिलता है।
   चुपचाप : बच्चे **चुपचाप** खेलने निकल गए।
3. भेड़ें, टोपियाँ, घोड़े, छड़ियाँ
4. विनम्र, प्रसन्न, गरीब, अमीर, बूढ़ा
5.

अश्व	हय	तुरंग
गगन	आसमान	अंबर
धरती	भू	धरा
जल	नीर	तोय

करके देखिए

1. इस लोककथा से यही शिक्षा मिलती है, कि हमें अपने विचारों को बुद्धिमत्ता पूर्वक समुचित रूप से लोगों के सामने रखना चाहिए ताकि लोग हमारे विचारों को सुनें समझें और प्रभावित होवें।
2. छात्र/छात्रा स्वयं करें।

पाठ से आगे भी

1. पशुपालन ग्रामीण जीवन का प्रमुख रोजगार है। पशुपालन से हमें कि खेती से जुड़े कार्यों में सहायता मिलती है। पौष्टिक भोजन–दूध–घी पर्याप्त मात्रा में मिलता है। यह ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आमदनी का प्रमुख स्त्रोत हैं।
2.

	पशु	पशुओं से लिए जाने वाले काम
(i)	बैल	खेत जोतना तथा बोझा ढोना
(ii)	भैंस	दूध प्राप्त करना, उपले तैयार करना
(iii)	गाय	दूध प्राप्त करना, उपले तैयार करना
(iv)	भेंड़	ऊन प्राप्त करना
(v)	बकरी	मीट प्राप्त करना, चमड़ा प्राप्त करना

अध्याय 17 पर्यावरण प्रदूषण

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) हमारे आसपास जो प्राकृतिक आवरण है, उसे पर्यावरण कहते हैं।
   (ख) पेड़–पौधे, ऋतुएँ, जल आदि अमूल्य उपहार हैं।
   (ग) दमा, खाँसी, फेफड़ों का कैंसर आदि बीमारियाँ होती हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (ii) ✓ (ख) (iii) ✓
   (ग) (iii) ✓ (घ) (ii) ✓
2. (क) लाउडस्पीकर, (ग) पर्यावरण, (घ) जल (ङ) सुख –सुविधाओं
3. (क) पर्यावरण द्वारा दी गई अमूल्य भेटों का मानव द्वारा नष्ट करना ही पर्यावरण प्रदूषण कहलाता है।
   (ख) कृषि उत्पादों के लिए भूमि पर निरतंर रासायनिक तत्वों का उपयोग करने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम होना ही मृदा प्रदूषण कहलाता है।
   (ग) वाहनों एवं कारखानों से कार्बन डाई ऑक्साइड, कार्बन मोनो ऑक्साइड, सल्फर डाई ऑक्साइड आदि हानिकारक गैस निकलती है।
   (घ) वाहनों का कम से कम प्रयोग करके, रासायनिक उर्वरकों का उपयोग न करके, लाउडस्पीकर का प्रयोग बन्द करके, गन्दे पानी को नदियों में न गिराकर पर्यावरण सरंक्षण किया जा सकता है।

पठित अनुच्छेद

5. (क) हमारे आसपास जो आवरण है उसे हम पर्यावरण करते हैं।
   (ख) पर्यावरण– परि + आवरण – इन दो शब्दों से मिलकर बना है।

भाषा विकास

1. अनियंत्रित, अनियमित, असुविधा, दु:ख, प्राचीन
2. प्रदूषित, आवश्यकता, गैसीय, जिम्मेदारी, रासायनिक
3. पानी नीर तोय
   भू धरा अवनी
   विधु मयंक शशि
   हवा पवन समीर
4. **शुद्ध :** हमें नदियों को **शुद्ध** रखना चाहिए।
   प्राकृतिक : प्राकृतिक पर्यावरण की शुद्धता आवश्यक है।
   पर्यावरण : हमें **पर्यावरण** से प्यार करना चाहिए।
   दूषित : हमें जल को **दूषित** होने से बचाना है।
   दुष्प्रभाव : पर्यावरण प्रदूषण का जीव जगत पर **दुष्प्रभाव** पड़ता है।

करके देखिए

(क) जल प्रदूषण (ग) वायु प्रदूषण
(ख) मृदा प्रदूषण (घ) ध्वनि प्रदूषण

मूल्यपरक प्रश्न और विचार

1. पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए धुआँ रहित वाहनों का उपयोग करेंगे। अधिक से अधिक वृक्षारोपण करेंगे तथा पर्यावरण के बारे में लोगों को जागरूक करेंगे।
2. "वृक्ष धरा के भूषण हैं।" यह कथन बिल्कुल सत्य है। अत: इस बात के महत्त्व को समझते हुए हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए जागरूक बनना चाहिए। वृक्ष हमें शुद्ध वायु तथा समय पर वर्षा प्रदान करते हैं जिससे धरती हरी भरी हसे उठती है और सभी प्राणियों का जीवन संरक्षित होता है।

पाठ से आगे भी

1. प्लास्टिक धरती की दुश्मन है क्योंकि यह कभी सड़ती–गलती नहीं है। यह खेतों की पैदावार को प्रभावित करती है अवारा पशु इन्हें खाकर मर जाते हैं। इसका घूरा भयानक बीमारियाँ फैलाता है। अत: इससे जल्द निजाद पाना परमावश्यक है।
2. हमारा वातावरण बहुत ही प्रदूषित होता जा रहा है, मनुष्य अपनी जरूरतों व आराम भरी जिंदगी के लिए पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुँचा रहा है। अत्यधिक संख्या में पेड़ों के कटने से हमारे वातावरण में स्वच्छ वायु का अभाव हो रहा है, दिन–प्रतिदिन बढ़ती वाहनों की संख्या से अत्यधिक ध्वनि और वायु, प्रदूषण हो रहा है। नदियों में फैक्ट्री व घरों से दूषित पानी जा रहा है जिससे नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं और जल में रहने वाले जीव मरते जा रहे हैं। प्लास्टिक के बने सामान मिट्टी में मिलकर मृदा प्रदूषण करते हैं। इस प्रकार दिन प्रतिदिन प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है।

अध्याय 18 हम पंछी उन्मुक्त गगन के

मौखिक अभिव्यक्ति

1. छात्र/छात्रा स्वयं उच्चारण करें।
2. (क) पंछी पंख टूटने पर उड़ नहीं पाएँगे।
   (ख) पंछी पिंजरे में बंद होकर गा नहीं पाएँगे।
   (ग) पंछी खुले आसमान में उड़ना चाहते हैं।
   (घ) पंछी पिंजरे से बाहर स्वतंत्र रहना चाहते हैं।

लिखित अभिव्यक्ति

1. (क) (iii) ✓ (ख) (ii) ✓
   (ग) (iii) ✓ (घ) (ii) ✓
2. *स्वर्ण–शृंखला* के बंधन में,
   अपनी गति, उड़ान सब भूले,
   बस सपनों में देख रहे हैं,

तरु की फुनगी पर के झूले।

3. (क) (iv), (ख) (i), (ग) (ii), (घ) (iii)

4. (क) पक्षी निवेदन करते हैं कि उनकी स्वतंत्र उड़ान में बाधा मत डालो।

(ख) पक्षियों के अरमान हैं कि वह उड़ते हुए नीले आकाश में तारों तक पहुँचें अर्थात् सीमाहीन आकाश में स्वच्छन्द उड़ान भरें।

(ग) पक्षी परतंत्र रहकर पिंजरे में बंद नहीं रहना चाहते। वे पिंजरे से बाहर स्वच्छन्द रहकर निबोरी खाना चाहते हैं और बहती नदी का जल पीना चाहते हैं।

(घ) पक्षी पिंजरे में बंद रहकर दु:खी हैं। वे स्वतंत्र रहकर जीना पसंद करते हैं। पक्षियों को पिंजरे में बन्द रहकर मुलायम भोजन करने की अपेक्षा बंधन से मुक्त रहकर नीम की कड़वी निबौरी खाना और नदी का बहता जल पीना अधिक पसंद है।

पठित अनुच्छेद

5. (क) पिंजरे में बंद पक्षी अपनी गति और उड़ान भूल गए हैं।

(ख) पक्षी पेड़ों की फुनगी में स्वयं को झूलता सपनों में देख रहे हैं।

भाषा विकास

1. • बच्चे माँ–बाप के आश्रय में रहते हैं।
• पक्षी बंधन में रहना पसंद नहीं करते हैं।
• क्षितिज में एक भी बादल दिखाई नहीं दे रहा था।

2. हेम, कंचन, सोना
आश्रय, घोंसला, घर
नभ, अंबर, आकाश
खग, विहग, नभचर

3. पिंजरे, नीड़ों, दानें, सपने, साँसें, अरमानों, पंखों, निबोरियाँ।

करके देखिए

1. पंछी–पिंजरे में बंद रहकर बहुत कष्ट का अनुभव करते हैं। वे मुक्त जीवन जीना चाहते हैं। पिंजरे में बंद उन्हें मुलायम भोजन भी पंसद नहीं है; ठंडा पानी भी अच्छा नहीं लगता । पिंजरे से मुक्त बाहर की दुनिया में कड़वी निबौरी खाना और नदी का बहता जल पीना अच्छा लगता है। वे पिंजरे में बंद सपने में भी पेड़ों की फुनगियों पर बैठकर झूला झूलने का आनंद लेते हैं। अत: पंछी पिंजरे में बंद रहकर कष्ट का ही अनुभव करते हैं।

2. छात्र स्वयं करें।

मूल्य परक प्रश्न और विचार

1. स्वतंत्र जीवन और परतंत्र जीवन दोनों प्रकार के जीवन में बहुत अंतर है। परतंत्र जीवन तो मानो कलंकित जीवन है। कितनी ही सुख–सुविधाएँ हों। लेकिन परतंत्रता का दु:ख सुविधाओं के आनन्द को नष्ट कर देता है। जबकि स्वतंत्र जीवन सच्चे अर्थों में ही सही जीवन है, चाहे इस जीवन में कितने ही कष्ट और कठिनाईयाँ मिले। स्वतंत्र होने की भावना का आनंद कष्ट–कठिनाईयों के दु:ख के क्षण मात्र को नष्ट कर देता है। शास्त्रों व लोकश्रुतियों में भी स्वतंत्र जीवन को ही श्रेष्ठ बताया जाता है। अत: स्वतंत्र जीवन ही श्रेष्ठ है तथा परतंत्र जीवन त्याज्य है।

2. इस कविता के माध्यम से हमें यह संदेश मिलता है कि स्वतंत्रता हर प्राणी के लिए जरूरी है। वह स्वतंत्र रहकर ही प्रसन्नता की अनुभूती कर सकता है। परतंत्र प्राणी कभी भी आनंद और सुकून की साँस नहीं ले सकता।

3. (च) उनके दाना–पानी की समुपित व्यवस्था करके।

पाठ से आगे

• 'हमारी स्वतंत्रता वहीं तक सीमित है, जहाँ से दूसरों की स्वतंत्रता में खलल न पड़े।' इस कथन से स्पष्ट होता है कि मनुष्य स्वार्थ वश अपनी सीमाओं को लाँघ जाता है और अपनी बात को सही साबित करने के लिए तरह–तरह के कुतर्क देता है। इसलिए उसे अपनी सीमाओं को नहीं लाँघना चाहिए।

❐